श्रावण कृष्ण पक्ष -10, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 40 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 जुलाई 2024 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
31 अधिकतम
24 न्यूनतम

Page- 7

झारखंड में यात्री रेल की 18 बोगी पटरी से उतरीं

वायनाड में चार बार लैंडस्लाइड 41 मौतें, सैंकड़ों मलबे में दबे

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में तेज बारिश के इस दौर में आज दो बड़े हादसे हुए, केरल के वायनाड में तड़के 4 अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड हुआ, इसमें 4 गांव बह गए। घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां भी बह गईं। अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है। 70 अस्पताल में हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोगों के लापता होने की खबर है। माना जा रहा है कि बड़ी संख्या में लोग मलबे में दबे हैं। रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीम मौके पर मौजूद है। कन्नूर से आर्मी के जवानों को वायनाड के लिए रवाना किया गया है। इसमें मेडिकल टीम भी शामिल है। इसके अलावा एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टर भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हुए हैं।

खबरों के मुताबिक वायनाड के 4 गांव- मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा में लैंडस्लाइड की घटना हुई है। पांच साल पहले 2019 में भी इन्हीं गांवों में लैंडस्लाइड की घटना हुई थी, जिसमें 17 लोगों की मौत हुई थी।इनमें से पांच लोगों का तो आज तक पता नहीं चला। मौसम विभाग ने आज भी वायनाड के अलावा कोझिकोड, मल्लपुरम और कसारागोड में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। यानी आज भी यहां भारी बारिश होने की संभावना है। वायनाड हादसे के रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ सकती है।

हावड़ा मेल पहले मालगाडी से टकराई फिर बेपटरी, दो मौत कई घायल

इधर झारखंड के जमशेदपुर में आज तड़के 3.45 बजे मुंबई-हावड़ा मेल (12810) की 18 बोगियां पटरी से उतर गईं। पहले से एक मालगाड़ी ट्रैक के पास डिरेल थी। मुंबई-हावड़ा मेल पटरी पर गिरे मालगाड़ी के कोच से टकराई और डिरेल हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा राजखरसवां और बड़ाबाम्बो के बीच हुआ है। घायलों को चक्रधरपुर स्थित रेलवे अस्पताल लाया जा रहा है। मौके पर रेलवे के अधिकारी मौजूद हैं। चक्रधरपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने कहा है कि रिलीफ ट्रेन और जिला प्रशासन की ओर से तमाम एंबुलेंस घटनास्थल की ओर रवाना कर दी गई थीं।

संसद में हादसों की गूंज: संसद में मानसून सत्र के आज सातवें दिन लोकसभा में प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्ष ने झारखंड रेल हादसे और वायनाड लैंडस्लाइड पर चर्चा की मांग की। स्पीकर ओम बिड़ला ने प्रश्नकाल के बाद शून्यकाल में चर्चा की बात कही। वहीं आप सांसदों ने दिल्ली के एलजी को बर्खास्त करने की मांग करते हुए संसद के बाहर प्रदर्शन किया।

कैबिनेट का फैसला, 160 करोड़ की सब्सिडी

महिलाओं को 450 में गैस सिलेंडर पर मुहर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राज्यमंत्री परिषद ने आज लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत आने वाली महिलाओं को सस्ते सिलेंडर देने की पुरानी घोषणा को आकार दिया। अब इन महिलाओं को 398 रुपए प्रति सिलेंडर सब्सिडी सरकार देगी। जो उनके खाते में जाएगी। सरकार ने चुनाव के पहले 450 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का वादा किया था। सरकार इस पर 160 करोड़ रुपए व्यय करेगी। इस घोषणा में उज्जवला योजना की हितग्राही भी शामिल थीं, क्योंकि ये सभी लाड़ली बहना योजना में शामिल हैं। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ देने के प्रस्ताव पर विचार किया गया है। इसी तरह 28 अगस्त को ग्वालियर में रीजनल इन्वेस्टर समिट करने का निर्णय हुआ इसमें निवेशकों को दी जाने वाली रियायतों आदि पर चर्चा हुई।

विज्ञान को हिंदी में समझना सरल

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि विज्ञान को स्वभाषा में समझना सरल होता है। इस दिशा में कार्य करते हुए ही मध्य प्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में आरंभ की गई। मुख्यमंत्री ने सी एसआईआर - प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन 2024 के मौके पर यह बात कही। इस अवसर पर राष्ट्रीय योग खिलाड़ी शुभम शर्मा तथा वर्तिका शर्मा ने योग के विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने कवि, साहित्यकार तथा शिक्षाविद डॉ संतोष चौबे को आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे विज्ञान संवर्धन सम्मान से सम्मानित भी किया।

खाद्य प्रसंस्करण उत्पादकों की बायर सेलर मीट

बीते मार्च में उज्जैन और इसी माह जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव एवं मुंबई व कोयम्बटूर में इंटरेक्टिव सेशन के बाद अब मप्र के खाद्य प्रसंस्करण उत्पादकों की बायर-सेलर मीट आज आयोजित है। इसे मीट को ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट आईएस 2025 के आयोजन के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मप्र के खाद्य प्रसंस्करण उत्पादकों की बायर-सेलर मीट ठाकरे कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होगी। इस मीट का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मीट में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह भी उपस्थित रहेंगे।

मनी लॉड्रिंग मामले में नवाब मलिक को मिली जमानत

नई दिल्ली। मनी लॉड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को जमानत दे दी। कोर्ट ने उनकी बीमारी को आधार मानते हुए जमानत मंजूर की। मलिक ने यह कहते हुए उच्च न्यायालय से राहत मांगी थी कि वह कई अन्य बीमारियों के अलावा किडनी रोग से पीड़ति हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा यह राहत उनकी नियमित जमानत पर बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश आने तक बनी रहेगी। मलिक ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 13 जुलाई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें उन्हें चिकित्सा के आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट का कहना था कि उन्हें विशेष चिकित्सा सहायता मिल रही है और उनके स्वास्थ्य अधिकार या जीवन अधिकार का किसी भी तरह से उल्लंघन नहीं किया रहा है।

सतना में बिजली गिरने से महिला की मौत

सतना। सतना जिले में बिजली गिरने से एक महिमा की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार मझगवां थाना क्षेत्र के गौहानी गांव में बिजली गिरने से अनीता सिंह की मौत हो गई। महिला खेत से घर की तरफ आ रही थी तभी रास्ते में बिजली गिरने से महिला की मौत हो गई।

आज का कार्टून

बम की धमकी से दो घंटे थमी रही फिरोजपुर मेल

फिरोजपुर, एजेंसी। पंजाब के फिरोजपुर से जम्मू तवी के लिए जाने वाली फिरोजपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस में बम की सूचना के बाद ट्रेन को कासूबेगू स्टेशन पर रोक दिया गया। फिरोजपुर से सुबह 7-30 बजे रवाना हुई ट्रेन में बम की अफवाह फैलने के कारण कासूबेगू रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां रेलवे स्टेशन पहुंचीं। सभी यात्रियों को ट्रेन से नीचे उतारा और उनके सामान व ट्रेन को पूरी तरह चेक किया गया। ट्रेन में कोई बम नहीं मिला। सूत्रों के अनुसार, आरपीएफ को किसी व्यक्ति का फोन आया था कि ट्रेन में बम है, जिसके बाद कंट्रोल रूम में सूचना देकर ट्रेन को कासूबेगू रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया।

नए आपराधिक कानून में संशोधन

दुष्कर्म पीड़िता का मेडिकल केवल महिला डॉक्टर करे: हाइकोर्ट

बैंगलुरू, एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 184 में संशोधन करने का आग्रह किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वयस्क दुष्कर्म पीड़ितों की जांच सिर्फ महिला डॉक्टर ही करें, जिससे उनकी निजता के अधिकार की रक्षा हो सके। गौरतलब है कि हाल ही में देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू हुए हैं। ब्रिटिश हुकूमत के दौर से चले आ रहे तीन कानूनों- भारतीय दंड संहिता दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम में बड़े बदलाव करते हुए सरकार ने इनकी जगह भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू किया है।

जस्टिस एमजी उमा की एकल पीठ ने केंद्र व राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि संशोधन होने तक दुष्कर्म पीड़ितों की चिकित्सा जांच एक महिला पंजीकृत चिकित्सक या उसकी देखरेख में की जाए।

योगी शिवपाल ने एकदूसरे को गच्चा देने की बात कही

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और शिवपाल यादव पर भी तंज किया। नेता विपक्ष बनाए जाने के बाद माताप्रसाद पांडे ने सीएम योगी से महिला अपराधों को लेकर सवाल पूछा था,इस पर योगी ने अखिलेश यादव और शिवपाल यादव पर तंज कसते हुए कहा कि चाचा हर बार गच्चा खा जाते हैं। पांडे ने चाचा को गच्चा दे ही दिया। उनकी नियति ही ऐसी है क्योंकि भतीजा हमेशा भयभीत रहता है। इस पर यादव ने कहा, 'हमें गच्चा नहीं मिला. हम पहले पीछे बैठते थे, उसके बाद नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी की बगल में आ गए। गच्चा तो आपने हमें दिया है. हम तीन वर्ष आपके संपर्क में रहे। अब डिप्टी सीएम आपको गच्चा देंगे'।

एडीआर के दावे से खलबली | लोकसभा चुनाव को लेकर चौंकाने वाली रिपोर्ट, कहीं कम वोट गिने तो कहीं ज्यादा

जितने वोट पड़े नहीं, उससे ज्यादा की काउंटिंग हुई!

नई दिल्ली, एजेंसी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानि एडीआर ने हाल के लोकसभा चुनाव को लेकर ऐसा दावा किया है कि खलबली मच गई है। उसने दावा किया है कि 538 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए मतों और गिने गए मतों की संख्या में अंतर है। एडीआर विश्लेषण के अनुसार, हाल के लोकसभा चुनावों में 362 संसदीय क्षेत्रों में पड़े कुल वोटों से 5,54,598 वोट कम गिने गए। वहीं 176 संसदीय निर्वाचन क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पड़े कुल वोटों से 35,093 वोट अधिक गिने गए। इस मामले पर चुनाव आयोग की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दरअसल एडीआर के संस्थापक जगदीप छोकर ने बकायदा संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही और बताया कि 'फाइनल पोलिंग डेटा रिलीज करने में अत्यधिक देरी, अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों और मतदान केंद्रों पर हुई वोटिंग के आंकड़े उपलब्ध नहीं होना और क्या चुनाव परिणाम अंतिम मिलान किए गए डेटा के आधार पर घोषित किए गए थे, इसकी अस्पष्टता चुनाव परिणामों की प्रमाणिकता के बारे में चिंता और संदेह पैदा करते हैं।' हालांकि, एडीआर ने यह नहीं बताया कि वोटों के इस अंतर से कितनी सीटों पर अलग नतीजे आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनाव आयोग अब तक इस बारे में कोई उचित स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है कि उसने वोटों की गिनती पर अंतिम और प्रामाणिक डेटा जारी करने से पहले चुनाव परिणाम घोषित क्यों किए। ईवीएम में पड़े वोटों, उनकी गिनती में अंतर, चुनाव संपन्न होने के कुछ दिन बाद अंतिम मतदान प्रतिशत में वृद्धि, बूथ वाइज डाले गए वोटों की संख्या का खुलासा न करना, डाले गए वोटों के आंकड़े जारी करने में अनुचित देरी और अपनी वेबसाइट से कुछ डेटा को हटाने पर भी चुनाव आयोग की ओर से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है।

एडीआर के फाउंडर जगदीप छोकर ने कहा, 'लोकसभा चुनाव 2019 के चुनावों में देखे गए कई उल्लंघनों, अवैधताओं और अनियमितताओं की गंभीर घटनाओं को निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव 2024 में दोहराये जाने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने में विफल रहा है। इससे मतदाताओं के मन में संदेह पैदा हो गया है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि 538 संसदीय सीटों पर डाले गए और गिने गए मतों में 589691 का अंतर है। एक स्वतंत्र पत्रकार पूनम अग्रवाल ने भी कहा कि डाले गए वोटों और गिने गए वोटों के आंकड़ों का विश्लेषण करते समय मुझे बिल्कुल यही परिणाम मिला। अंतिम यानी 7वें चरण में इस ऐप पर डाले गए वोटों के आंकड़े सिर्फ प्रतिशत में दिए गए और पिछला डेटा हटा दिया गया।

2019 में 739104 का अंतर: विशेषज्ञों और एडीआर की टीम द्वारा 2019 के लोकसभा चुनावों को लेकर किए गए रिसर्च के अनुसार, 542 निर्वाचन क्षेत्रों के विश्लेषण में 347 सीटों पर विसंगतियां दिखाई दी थीं। 195 सीटों पर कोई भी विसंगति नहीं थी। ये विसंगतियां 1 वोट (न्यूनतम) से लेकर 101323 वोट यानी कुल पड़े वोटों का 10.49 प्रतिशत (उच्चतम) तक थीं, 6 सीटें ऐसी थीं जहां डाले गए वोटों और गिने गए वोटों का अंतर जीत के अंतर से ज्यादा था. कुल मिलाकर डाले गए और गिने गए वोटों में 739104 का अंतर था।

नादरा बस स्टैंड, अल्पना तिराहा बारिश से जलमग्न

भोपाल। राजधानी में हो रही जोरदार बारिश ने सड़कों को तालाबों में बदल दिया। शहर के पॉश इलाके भी लगभग दो फीट तक पानी में डूब गए। तेज बारिश के साथ शहर के नाले उफान पर आ गए, जिससे बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम और घरों में बाढ़ जैसे हालात देखे गए। ये हाल राजधानी के हैं। हमीदिया रोड नादरा बस स्टैंड, अल्पना चौराहे और इसरानी मार्केट चौराहे पर दोपहिया और चार पहिया वाहनों को एक से डेढ़ फीट पानी से जूझना पड़ा, जिससे कई वाहन बंद हो गए। भोपाल टॉकीज, सिंधी कॉलोनी और डीआइजी बंगला चौराहा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी सड़कें इसी तरह जलमग्न हो गईं।

बारिश थमी तो 'फायदा' उठाने सड़क पर उतरे लोनिवि इंजीनियर व नगर निगम का अमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चार दिन की मूसलधार बरसात के बाद दो दिन से बादलोंने शहर की घेराबंदी तो कर रखी है लेकिन बरस नहीं रहे हैं। इसका फायदा नगर निगम और पीडब्ल्यूडी उठाने की कोशिश में है। कल से लगातार शहर की बारिश में जर्जर सड़कों के गड्ढे भरना शुरू किया गया है। प्रशासन अकादमी के सामने, रोहित नगर, जवाहर चौक, तुलसी नगर, अवधपुरी मुख्य मार्ग, बागसेवनियां, कटारा हिल्स रोड और गांधी नगर मुख्य मार्ग पर गड्ढे भरने का काम किया जा रहा है। जगह जगह बैरिकेडिंग करके रास्तों पर मरम्मत की जा रही है। कॉलोनियों के अंदरूनी रास्तों पर भी गड्ढे भरना शुरू कर दिया गया। अभियान के तौर पर किए जा रहे इस काम का जायजा लेने पीडब्ल्यूडी के ईएनसी आरके मेहरा भी मैदान में हैं। उन्होंने प्रशासन अकादमी के सामने किए जा रहे कार्य को देखा और पैचवर्क करने के बाद इस हिस्से की बेरिकेडिंग करने के निर्देश दिए। यह हिस्सा बहुत बुरी तरह क्षतिग्रसत हुआ है यहां से रोज वीआईपी मूवमेंट भी होता है। नगर निगम की टीम ने कोलार के राजहर्ष और विनीत कुंज समेत आसपास के इलाकों में भी गड्ढे भरे। इसके लिए निगम का अमला डंपरों से मुरुम और मिट्टी लेकर पहुंचा। जेसीबी की मदद से सड़क के गड्ढों में इसको भरकर दबाया गया।

कल से फिर भारी बारिश के आसार

अब तक शहर में 24.75 इंच बारिश हो चुकी है, जो सीजन की करीब 66त्न है। वहीं, जुलाई में बारिश का कोटा भी पूरा हो गया है। जुलाई में ही 15 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है। अब मौसम विभाग ने कल यानी, बुधवार से फिर तेज बारिश का अलर्ट किया गया है। मंगलवार को धूप-छांव या हल्की बारिश वाला मौसम रहेगा। भोपाल में इस साल सामान्य से 106त्न बारिश होने का अनुमान है। पिछली बार 18त्न कम यानी, 82त्न (30.9 इंच) बारिश हुई थी। अब तक कोलार डैम के दो गेट खोले जा चुके हैं। कल से बारिश यदि हुई तो भदभदा डैम के गेट भी खोले जा सकते हैं।

सड़क पर बिखरी निर्माण सामग्री समेटी

गड्ढे भरने के साथ ही अमला डामर सड़क का सीलकोट उखड़ने के कारण सड़क पर बिखरी गिट्टी भी समेटने का काम कर रहा है। पीडब्ल्यूडी की टीम एमपी नगर थाने की ओर से वल्लभ भवन की ओर जाने वाली सड़क पर दिन भर झाड़ू लगाती रही। इस दौरान सड़क पर बिखरी गिट्टी को समेटा गया। दावा किया गया है कि शहर के दूसरे हिस्सों में मौजूद सड़कों पर बिखर चुकी गिट्टी को भी हटाया जाएगा। ताकि वाहन चालकों को फिसलकर घायल होने से बचाया जा सके।ननि और पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदारों की ओर से दावा किया गया है कि लोगों को गड्ढों से होने वाली परेशानी से बचाने हर संभव प्रयास किया जाएगा। बारिश से दोबारा गड्ढे होते हैं तो उन्हें अस्थाई तौर पर बार-बार भरा जाएगा। जहां बड़े गड्ढे होंगे उनमें 100 एमएम के ब्लॉक लगाकर राहत पहुंचाई जाएगी।

चैनलिंक तोड़कर सड़क पर आया बाघ, फिर वापस जंगल भी लौटा

कलियासोत के आसपास लगातार देखा जा रहा मूवमेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में कलियासोत इलाके में बाघ के लगातर दिखने से आसपास के लोगोंमें दहशत है। इस बाघ का चंदनपुरा, कलियासोत और केरवा तक मूवमेंट हो रहा है। माना जा रहा है कि हाल ही में वयस्क हुए नर बाघ अब मां से अलग टेरेटरी की तलाश कर रहे हैं। इसके चलते कल भी एक नर बाघ चैनलिंक फेंसिंग तोड़कर सड़क किनारे आ गया था। जिसका वीडियो चंदनपुरा के पास एक महिला राहगीर ने कार के अंदर से बनाया। इसी इलाके में दो दिन पहस्त्रले भी बाघ नजर आया था। यहां पेट्रोलिंग कर रही टीम को जब बाघ के बाहर आने की सूचना मिली तो उन्होंने वहां पर नजर रखी। इसके बाद मैदानी अमले ने पाया कि बाघ जहां से चैनलिंक तोड़कर सड़क पर आया था, वहीं से वापस चला गया। इसके बाद कर्मचारियों ने आनन-फानन में चैनलिंक फेंसिंग दुरुस्त कर दी।वन अफसरों का कहना है कि इलाके में 6 से अधिक बाघों का मूवमेंट है। इसलिए पेट्रोलिंग बड़ा दी है। साथ ही सड़क पर सावधानी से चलने और जंगल के अंदर नहीं जाने की मुनादी कराई जा रही है।

बाघ कर सकता है हमला

बाघ देखे जाने के बाद कई लोग उ;नके फोटो लेने के फेरमें भटक रहे हैं। चंदनपुरा और मिंडोरा के कई लोग कह रहे हैं कि हर दिन कई युवक बाघ के बारे में पूछताछ के लिए आते हैं। कई के पास तो ड्रोन कैमरा भी होता है। हाल में जिस महिला जिस तरह बाघ का वीडियो बना रही थी, वह बहुत दुस्साहसी तरीका माना जा रहा है। बाघ कार के शीशे को भी तोड़ सकता है। कई वन्यजीव प्रेमी भी अब मांग करने लगे हैं कि जिला प्रशासन को हस्ताक्षेप करना चाहियें और इस इलाके में वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी पर प्रतिबंध के बारे में सोचना चाहिये।

जीएमसी के छात्रों का हुआ सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में वार्षिक अकादमिक पुरस्कार समारोह में लगभग 700 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डीएमई डॉ. ए.के. श्रीवास्तव थे। अधिष्ठाता डॉ. कविता एन. सिंह, स्टूडेंट वेलफेयर सोसाइटी की स्टूडेंट यूनियन एडवाइजर डॉ. रीनी मलिक,स्टूडेंट वेलफेयर सोसाइटी की एडवाइजर डॉ. दीप्ति चौरसिया ,डॉ. कविता कुमार, डॉ. हामीद गोरी, डॉ. रुचि टंडन, डॉ. आर.पी. कौशल, और जयश्री कटारिया (सचिव, स्टूडेंट वेलफेयर सोसाइटी) की उपस्थिति में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कोविड महामारी के बाद, कई वर्षों से विद्यार्थियों को सम्मानित नहीं किया गया था। इस साल एमपीएमएसयू में 2019 बैच के 10 में से 6 छात्र गांधी चिकित्सा महाविद्यालय से थे। इस मौके पर आईसीएमआर, खेल, और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी पुरस्कार दिए गए। स्टूडेंट यूनियन 2023-24 के समस्त विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके परिजन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

'जिस पहाड़ी पर खुद को संभालना मुश्किल था उस पहाड़ी पर बैठे दुश्मन को मारकर जीता युद्ध'

नवयुवक सभा में कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती मनी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवयुवक सभा द्वारा संचालित अनन्दराम टी. शाहानी विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। बच्चों ने कारगिल युद्ध के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत से हुई, सभा के सचिव सुरेश राजपाल ने मुख्य अतिथि कर्नल पारवानी का तथा पारवानी ने मुकेश कपूर का परिचय दिया।

कर्नल पारवानी ने कहा संसार की सबसे ऊँची चोटी पर खुद को संभालना ही चुनौती होता है लेकिन हमारे सेनिकों ने देश के लिए हर चुनौती स्वीकार की ओर विजय हासिल की। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा की सेना मे शामिल होकर रोजगार के साथ देश की सेवा भी करे। ग्रुप कप्तान मुकेश कपूर ने द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर कारगिल तक अपने पिताजी से प्रेरित होकर देश भाक्ति के भाव प्रकट किए। सभा के संरक्षक वासदेव वाधवानी व अन्य सदस्यों ने कर्नल परवानी, ग्रुप कप्तान मुकेश कपूर का स्वागत मोमेंटों शॉल व श्रीफल द्वारा दिया गया इस अवसर पर निबंध व भाषण प्रतियोगिता रखी गयी। एनसीसी की छात्राओं ने कारगिल दिवस पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। सभा के अध्यक्ष विष्णु गेहानी प्राचार्या डॉ प्रिया बुधानी ने अपने विचार व्यक्त किए।

बच्चों को संस्कारवान बनाना चाहते हैं, तो पहले स्वयं बनें: सिद्धभाऊजी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल के कक्षा केजी 2 की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन करने वाले 67 विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक दक्षता सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नवनिध स्कूल स्थित ऑडिटोरियम में हुआ।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर केजी 2 के विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं के सम्मान में नृत्य की प्रस्तुति दी। स्कूल की कक्षा केजी 2 की मेधावी छात्राओं याशिका गिडवानी एवं लविशा करमचंदानी को सत्र 2023-24 के लिए सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।सत्र 2022-23 के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार के लिए कक्षा केजी 1 के मोनिश मंगलानी एवं केजी 2 के सारांश किशनानी को सम्मानित किया गया। सत्र 2023-24 के लिए कक्षा केजी 2 के इशांक मोरंदानी एवं याशिका गिडवानी को उत्कृष्ट उपस्थिति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भाऊजी ने विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र तथा उनके अभिभावकों को पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही भाऊजी ने कहा कि आप सौभाग्यशाली माता-

विद्यासागर पब्लिक स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

पिता हैं कि आप संतानवान हैं और इस सौभाग्य को सदैव बनाए रखने के लिए आपको बच्चे की अच्छी परवरिश भी करनी है। इसके लिए माता-पिता को अपने आचरण और व्यवहार पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। बच्चों को संस्कारवान बनाना चाहते हैं, तो पहले स्वयं बनें। बच्चों को कभी छोटा ना समझें, बच्चे हमेशा वही करते हैं जो वे अपने बड़ों को करते हुए देखते हैं। कार्यक्रम में संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी, उपसचिव के एल रामनानी, डायरेक्टर विद्यासागर पब्लिक स्कूल भगवान दामानी, प्रबंधन सदस्य थावर वरलानी, कोऑर्डिनेटर, अभिभावक, शिक्षिकाएँ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

दस दिन में ही सामान्य हो गई मितान्श की आंख

सेवासदन में पांच माह के शिशु का ग्लॉकोमा का सफल ऑपरेशन हुआ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

राधा और राजकुमार परिहार के पांच माह के शिशु मितान्श की दाहिनी आंख का सेवासदन नेत्र चिकित्सालय में ग्लॉकोमा स्पेश्यिलिस्ट डॉ. समता पटेल ने ग्लॅामा का ऑपरेशन किया । राजकुमार इवेंट मैनेजमेंट में मंच पर फूलों की सजावट का काम करते हैं । उनकी आमदनी कम है । पांच माह पहले उनके यहां शिशु ने जन्म लिया । मां राधा को कुछ दिन के बाद लगा कि उसका शिशु दाहिनी आंख से ठीक ढंग से देख नहीं पा रहा है और उसकी आंख से लगातार पानी भी आ रहा है । कुछ दिनों बाद पानी आना बंद हो गया और दाहिनी आंख की पुतली सफेद होने लगी थी । शिशु को कोई चीज देखने के लिये भी

अपनी दाहिनी पुतली को बांई पुतली के साथ मिलाकर देखना पड़ता था, अन्य स्थिति में उसके चेहरे और आंखों पर खिंचाव के लक्षण स्पष्ट दिखते थे ।

दंपती के लिये यह बात चिंताजनक थी । उन्होंने राजधानी के एक नेत्र रोग विशेषज्ञ से अपने शिशु की जांच करवाई । वहीं उनको ज्ञात हुआ कि शिशु की दाहिनी आंख में ग्लॉकोमा है । उस नेत्र रोग विशेषज्ञ ने उन्हें शिशु की आंख का इलाज एम्स दिल्ली या चेन्नई के किसी बड़े नेत्र रोग अस्पताल में करवाने की सलाह दी । इसी बीच राजकुमार के मित्रों ने उन्हें एक बार सेवासदन जाकर बच्चे की जांच और इलाज करवाने की सलाह भी दी । राधा और राजकुमार ने शिशु की जांच ग्लॉकोमा विशेषज्ञ डॉ. समता पटेल से करवायी । जांचों के उपरांत डॉ. समता ने शिशु के ग्लॉकोमा का 19 जुलाई 2024 को ऑपरेशन किया ।

डाक्टर ने बताया

डॉ. समता ने बताया कि शिशु की सीधी आंख की पुतली का आकार सामान्य से बढ़ा था और पुतली में सफेदी थी । शिशु की आंखों का प्रेशर भी असामान्य था । उसकी आंख की नस भी प्रभावित होने लगी थी । डॉ. समता ने आगे बताया कि पुतली का बड़ा होना, आंख से आंसू आना, सफेदी होना और माता-पिता को शिशु के कम दिखने का अनुभव होना जन्मजात ग्लॉकोमा के लक्षण हैं, जिसमें तुरंत ऑपरेशन की जरूरत पड़ती है । यह दंपती अपने शिशु के साथ आज फालोअप जांच के लिये आई । दस दिन के अन्दर ही शिशु की दाहिनी आंख सामान्य हो गई है । अब उसे कोई वस्तु देखने के लिये खिंचाव देने की जरूरत नहीं पड़ रही है।

स्त्रियों के जीवन पर केंद्रित रचनाओं को किया पेश

साहित्य अकादमी भारत सरकार की साहित्य गोष्ठी

हिरदाराम नगर। भारत सरकार की साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने भोपाल में साहित्य मंच का आयोजन सावन नगर, हलालपुरा स्थित निजी होटल के सभाकक्ष में किया। इसमें सिंधी रचनाकार हर्षा मूलचंदानी ने जिंदगी एक कैनवास कविता पेश की, साथ ही एक ग़ज़ल भी सुनाई। समीक्षा लछ्वानी ने शिशुवती शीर्षक की कविता पेश की जिसमें एक स्त्री के जीवन की तकलीफों को अभिव्यक्ति दी गई। राकेश शेवानी ने मां शीर्षक की कहानी पेश की। वरिष्ठ कवयित्री भारती आसुदानी ने आँखें, सावन और वीरानी शीर्षक की रचनाएं पढ़ी। सावन कविता में प्राकृतिक सौंदर्य का बखान किया गया।स्वागत वक्तव्य साहित्य अकादमी के सिंधी भाषा के परामर्श मंडल के सदस्य अशोक मनवानी ने दिया । कार्यक्रम में भोपाल और संत हिरदाराम नगर के अनेक रचनाकार उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन राकेश शेवानी ने किया। प्रमुख रूप से आसूदो लछ्वानी , साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त लेखक खीमन मूलानी,नारी लछ्वानी, कन्हैया मूलचंदानी, रवि उधवानी, कन्हैया मोटवानी,परसो नाथानी रंगमंच निर्देशक अशोक बुलानी शामिल थे। तन्मय वासवानी ने भक्ति गीत प्रस्तुत किया। आनंद सबधानी ने आभार व्यक्त किया।

बाढ़ से पहले सरकार अलर्ट, कलेक्टरों को दो टूक

समन्वय में कमी न रहे, सेना की जरुरत हो तो समय से बताएं

मुख्यमंत्री ने ली बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए समीक्षा बैठक

दिल्ली बेसमेंट हादसे के बाद दिए अधिकारियों को सतर्कता के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बारिश का मौसम में बाढ़ जैसा खतरा बना हुआ है। जिसको लेकर सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें कलेक्टरों को दो टूक कहा– बारिश का समय है, जिले में ठीक से काम होने चाहिए। खासकर बाढ़ जैसी स्थिति के पहले और बाद में समन्वय को लेकर कोई कमी न रखें। बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर कहीं भी सेना की जरुरत हो तो समय से बता दें।

मुख्चमंत्री ने दिल्ली के अंदर बेसमेंट में चल रही एक कोचिंग संस्था में बारिश का पानी भराने और उसके कारण तीन छात्रों की मौत् पर दुख जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं मप्र में न हो, इसका प्रबंध कर लें। देखें कि कहां–कहां बेसमेंट में संस्थान चल रहे हैं और उनमें पानी निकासी की क्या व्यवस्थाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन पुल-पुलियाओं पर पूर्व में घटनाएं हो चुकी, उनकी निगरानी करें। बाढ़ की स्थिति में उन्हें बंद करें। डैम के गेट खोलने से पहले निचले जिलों के अधिकारियों से बात कर लें। पानी छोड़ने की सूचना लोगों तक पहुंचे, इसका प्रबंध हो। आवश्यक सेवाओं में कोई रुकावट न आए, तैराक दल जगह-जगह उपलब्ध हो। कच्चे मकानों व जर्जर इमारतों से लोगों को बाहर शिफ्ट करें, बारिश के दौरान कहीं करंट न फैले, इसका ध्यान रखा जाए। जल स्तर की निगरानी करें, पोर्टल पर जानकारी अपडेट करते रहें, बाढ़ की पूर्व सूचना दें। अधिकारियों के मुताबिक यदि शहरी क्षेत्रों में कहीं भी कोई ऐसा संस्थान मिलता है जो बेसमेंट में चल रहा हो और उसमें पानी निकासी की कोई व्यवस्था न हो तो उसे कुछ दिनों के लिए बंद किया जा सकता है। ऐसा उन्हीं क्षेत्रों में करेंगे जहां बाढ़ और जल भराव की स्थिति बनने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के सामने बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए रोडमैप रखा है। जिसमें बताया कि कहां किस डैम में कितने प्रतिशत पानी आ गया है। यह भी बताया कि डिसास्टर वार्निंग रिस्पॉन्स सिस्टम काम कर रहा है। इसकी मदद से जलाशयों, नदियों के स्तर और गेटों के खोलने की जानकारी का अदान-प्रदान किया जा रहा है। इसकी मदद से संबंधित जिला प्रशासन नागरिकों को भारी वर्षा की चेतावनी और एसएमएस अलर्ट देने के साथ ही एसडीआरएफ एवं राज्य आपदा केंद्र के स्टाफ द्वारा जिला प्रशासन और नागरिकों को सूचित कर सजग किया जा रहा है।

सरकार बिजली संकट को लेकर चिंतामुक्त : पटवारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि पूरा प्रदेश बारिश से तरबतर हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में अव्यवस्थाओं के चलते ग्रामीणों को तरह-तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक और बिजली संकट की बात की जाये तो पूरा प्रदेश बिजली संकट से जूझ रहा है, बावजूद उसके शहरी और ग्रामीण इलाकों में बिना जांच और बिना रीडिंग किये भारी भरकम बिल जनता को थमाये जा रहे हैं। बिजली विभाग की तानाशाही भी इतनी चल रही है कि बिल न भरने पर किसानों के खेत और घरों में रखा सामान, टैक्टर ट्राली, मोटर साईकिल तक जप्त कर लिये जाते हैं।

पटवारी ने कहा कि अपने आप को किसानों की हिमायती बताने वाली भाजपा सरकार में बिजली संकट से ग्रामीण क्षेत्रों में दिन-दिन भर बिजली नहीं मिलने से ग्रामीणों में खौप का माहौल व्याप्त है। बुंदेलखंड और खासकर रायसेन जिले की स्थित बिजली को लेकर बेहाल है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें नहीं होने से, कच्ची सड़कों और घरों के आसपास बड़ी मात्रा में पानी भरा रहता है, लेकिन बिजली विभाग बेफ्रिकर होकर दफ्तरों में बैठे गपशप लड़ाते रहते हैं। पटवारी ने कहा कि प्रदेश में 15 महीने की कांग्रेस सरकार ने बिजली उपभोक्तओं को 100 रूपये में 100 यूनिट बिजली मुहैया करायी थी। भाजपा सरकार आते ही बिजली के भारी भरकम बिल थोपे जाने लगे। उन्होंने कहा कि सरकार और सरकार से जुड़े लोग केवल अपने स्वार्थ और इंवेट की राजनीति में व्यस्त रहते हैं, उन्हें जनता की भावनाओं से कोई सरोकार नहीं है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सी एसआईआर–प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन का शुभारंभ किया।

आयुष विभाग अंतर्गत कार्यों एवं गतिविधियों की समीक्षा की

शोध एवं अनुसंधान पर व्यापक कार्ययोजना के साथ हो क्रियान्वयन : आयुष मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय में आयुष विभाग की बैठक लेकर विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की। परमार ने कहा कि राष्टीय शिक्षा नीति-2020 के ध्येय की पूर्ति के लिए आयुष पद्धतियों में शोध एवं अनुसंधान पर व्यापक कार्ययोजना के साथ क्रियान्वयन हो। परमार ने कहा कि अकादमिक, शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के लिए प्रकोष्ठ बनाकर क्रियान्वयन किया जाए। परमार ने विभिन्न बिंदुगत विषयों पर व्यापक चर्चा कर आवश्यक सभी कार्यों का तीव्रगामी क्रियान्वयन करने को कहा। उन्होंने आयुष महाविद्यालयों की साधारण सभा/ कार्यकारिणी की नियमित बैठक करने के निर्देश दिए। परमार ने आयुष महाविद्यालयों की मान्यताओं के नवीन एवं नवीनीकरण के लिए व्यापक ऑनलाइन पारदर्शी पद्धति विकसित करने को कहा। आयुष मंत्री परमार ने नवीन आयुर्वेद महाविद्यालय खोले जाने के लिए भूमि, औषधालय, अधोसंरचना एवं पदों के सृजन आदि की स्थिति और विभिन्न औषधालयों/महाविद्यालयों आदि स्थलों में विभिन्न निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। श्री परमार ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नवीन निजी आयुष महाविद्यालयों के प्रस्तावों की स्थिति, लोकसेवा आयोग के माध्यम से व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति, आयुष क्लिनिक रजिस्ट्रेशन, विभाग में शोध, प्रोजेक्ट, पेटेंट, प्रकाशन एवं भविष्य की कार्ययोजना, शासकीय फार्मेसी एवं ड्रग टेस्टिंग लैब की स्थिति एवं यूनानी पाठ्यक्रम को हिंदी में अध्ययन प्रारम्भ करने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आयुष अनिरुद्ध मुखर्जी,आयुक्त आयुष सोनाली पोंक्षे वायंगणकर एवं अपर सचिव आयुष संजय मिश्र सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

वीडी संसद में बोले- मध्यप्रदेश के मन में मोदी अभियान सार्थक सिध्द हुआ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने केंद्र सरकार के बजट का समर्थन करते हुए कहा कि हम छिंदवाड़ा का चुनाव लड़ रहे थे, तब लोग कहते थे कि छिंदवाड़ा पता नहीं, किन का गढ़ है। हमने कहा था कि मध्यप्रदेश के मन में मोदी है। मध्य प्रदेश के मन में मोदी के अभियान के साथ विधानसभा में रिकॉर्ड बनाया, लोकसभा चुनाव में तो 29 में से 29 सीटें जीतकर मध्य प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय हमने कहा था कि छिंदवाड़ा किसी का गढ़ है तो नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण की योजनाओं के हितग्राहियों का गढ़ है। हमने ऐतिहासिक बहुमत से विजय हासिल की और वह गढ़ भी तोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण जी का धन्यवाद करता हूं। शर्मा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का भी धन्यवाद दिया। रेलवे के लिए मध्य प्रदेश को 14738 करोड़ रुपये दिए हैं, जो कांग्रेस के समय में केवल 632 करोड़ था।शर्मा ने कहा कि मैं बुंदेलखंड क्षेत्र का सांसद हूं। हमारे यहां आज के नेता प्रतिपक्ष 'राहुल गांधी' 2008 में टीकमगढ़ जिले के टिपारिया गांव की भुअन बाई के घर गए थे। मैं पूछना चाहता हूं कि 08 में आपकी सरकार थी। 2014 तक आपकी सरकार चली तो टिपानिया गांव की भुअन भाई का इतने सालों में क्या हुआ? आपको याद नहीं होगा। शर्मा ने कहा कि आज मैं गर्व से कहता हूं कि, उस बहन के सिर पर छत देने का काम किसी ने किया है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

800 से ज्यादा महिलाओं की प्रसूति राशि अटकी, जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने शहर के सरकारी अस्पतालों में डिलीवरी के बाद भी महिलाओं के प्रसूति राशि के लिये परेशान होने के मामले में संज्ञान लिया है। मामले में आयोग ने आयुक्त, संचालकए स्वास्थ्य सेवाएं, संचालनालय, भोपाल से मामले की जांच कराकर तीन सप्ताह में प्रतिवेदन मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि इन महिलाओं के पिछ्ले एक साल से प्रसूति राशि नहीं मिली है। ऐसी 800 से ज्यादा महिलायें रोजाना अस्पतालों के चक्कर काट रहीं हैं।

मंत्री सारंग की पहल पर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विजिट प्रोग्राम शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की पहल पर तात्या टोपे खेल स्टेडियम में उपलब्ध खेल सुविधाओं से छठवीं से नवीं कक्षा तक के स्कूली बच्चे अवगत हुए। गत दिनों मंत्री सारंग ने विभागीय अधिकारियों को स्कूल और कॉलेज के बच्चों को खेलों के प्रति आकर्षित करने के लिये कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में नई पीढ़ी को खेलों से जोड़ने के लिए स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विजिट प्रोग्राम की शुरुआत की गई। मंत्री सारंग ने स्कूली बच्चों से चर्चा कर खेलों से जुड़ने की बात कही। उन्होंने बच्चों से खेल से संबंधित कुछ प्रश्न भी पूछे जिनका बच्चों ने उत्साह पूर्वक जवाब दिया। मंत्री सारंग से मिलकर स्कूल ही बच्चे काफी खुश दिखाई दिए। बच्चें स्टेडियम में विभिन्न खेलों की उपलब्ध सुविधाओं से काफी रोमांचित हुए। मंत्री श्री सारंग के साथ बच्चों ने भारत माता के जयकारे भी लगाए। मंत्री सारंग में कहा कि दो आयामों पर काम किया जा रहा है। प्रथम, खिलाड़ी उत्कृष्ट खिलाड़ी बनें।

मेट्रो एंकर बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों संचालित करें

प्रदेश में किया जा रहा विज्ञान का लोकव्यापीकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में विज्ञान का लोकव्यापीकरण किया जा रहा है। सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्यप्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से कई वैज्ञानिक कार्य क्रियान्वित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की घोषणा पर 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकासीय गतिविधियां संचालित हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रमुख वैज्ञानिकों को संभाग स्तरीय मेलों में आमंत्रित किया जाए। विज्ञान से जुड़े प्रतिभाशाली बच्चों को भी मेलों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उज्जैन में संभाग स्तरीय विज्ञान मेला एवं नेशनल स्पेस डे के आयोजन के संबंध में समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा तथा विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी विभागों के लिए ई-सर्विस पार्टल बनाया गया है। विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने के लिए आईटी की महती भूमिका हो। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए साइबर अपराध को रोकने के प्रयास हों। आईटी पार्कों की संख्या बड़ायें, आय बड़ाने के लिए भी प्रयास हों। उन्होंने कहा कि नीमच में मसाला उद्योग का बड़ा स्कोप है, जिसके विकास के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विज्ञान मेलों में प्रदर्शनी लगाएं, प्रदेश में विज्ञान का माहोल बनाएं। रिसर्च की गतिविधियों को बड़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चंद्रमा की सतह पर विक्रम लैंडर के उतरने और प्रज्ञान रोवर के परिनियोजन से चंद्रयान-3 की सफलता के साथ भारत चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने वाला चौथा देश बन गया है। साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के समीप उतरने वाला अंतरिक्ष अग्रणी राष्टों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है। इस ऐतिहासिक मिशन के परिणाम से आने वाले वर्षों में मानव जाति को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कार्य धरातल पर दिखें और नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उज्जैन का वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। उज्जैन को अनुसंधान केंद्र बनाने की कोशिश करना चाहिए। साईंस दूरिज्म को बड़ावा दिया जाए। डोंगला का रिसर्च सेन्टर संचालन के लिए विभिन्न पदों की पूर्ति कर ली जाए। डिफेंस के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को बड़ा रिसर्च का केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे इंजीनियरिंग कॉलेज, आईआईटी की तर्ज पर हों। उज्जैन में प्रस्तावित विज्ञान सिटी के कार्य शीघ्रता से किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विज्ञान के प्रति रूचि बड़ाने का माहौल बनाएं। संभागीय केन्द्रों पर विज्ञान की गतिविधियां बड़नी चाहिए। उज्जैन में विज्ञान केंद्र का भवन तैयार कर लिया गया है। उज्जैन में तारा मंडल का अपग्रेडेशन हो चुका है। जनप्रतिनिधियों को इसका अवलोकन कराया जाए। खगोलीय वेधशाला डोंगला के ऑटोमेशन का कार्य अंतिम चरण में है।

संपादकीय

उम्मीदों का बड़ा आसमान

पेरिस ओलंपिक में हमारी उम्मीदों का आसमान पिछले ओलंपिक से ज्यादा विस्तृत है। सब मानकर चल रहे हैं ?कि इस बार हमारे ऐथलीट टोक्यो में जीते अब तक के सबसे ज्यादा यानि 7 पदकों का रेकॉर्ड तोड़कर नई और लंबी लकीर खींचेंगे। ऐसे में जब निशानेबाज मनु भाकर की जीत की खबर आई तो स्वाभाविक ही सबका जोश कई गुना बढ़ गया। बाकी निशानेबाजों और अन्य खिलाड़ियों का जोश भी मनु की जीत से बढा ही है। मनु का यह ब्रॉन्ज मेडल सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि यह पेरिस ओलिंपिक में किसी भारतीय ऐथलीट का पहला मेडल है। इस उपलब्धि की ऐतिहासिक चमक के पीछे कई और बातें हैं। पहली बात तो यह कि मनु ने ब्रॉन्ज मेडल पर कामयाब निशाना लगाकर एक साथ कई कीर्तमान स्थापित कर दिए हैं। वह ओलिंपिक मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला शूटर हो गई हैं। इससे पहले इस ऑल बॉयज क्लब में राज्यवर्धन सिंह राठौर, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग और विजय कुमार ही थे। यही नहीं, मनु पिछले 20 साल में किसी इंडिविजुअल इवेंट में ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला भी बन चुकी हैं। दस मीटर एयर पिस्टल मुकाबले में तो आज तक कोई महिला शूटर ओलिंपिक फाइनल में भी नहीं पहुंची थी। मनु जिस मंजिल पर पहुंची हैं, उसे उनकी उतार-चढ़ाव भरी यात्रा भी खास बनाती है। मात्र 19 साल की उम्र में टोक्यो ओलिंपिक तक पहुंचकर वहां अचानक पिस्टल खराब होने की वजह से चूक जाना किसी भी टीनेजर के लिए कितना बड़ा झटका होगा, यह आसानी से समझा जा सकता है। मनु न केवल उस झटके से उबरीं बल्कि अगले ही ओलंपिक में जीत दर्ज कराकर अपनी फाइटिंग स्पिरिट का सिक्का जमा लिया। सबसे बड़ी बात यह है कि मनु महज एक ऐथलीट नहीं हैं। वह युवा ऐथलीटों की उस पूरी कौम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं जो देश का गौरव बढ़ाने के अभियान में लगी है। हैं। चाहे नीरज चोपड़ा हों या पीवी सिंधु या विनेश फोगाट और मीराबाई चानू- ये उन दर्जनों नामों में शुमार हैं जो अपना खून-पसीना जलाते हुए देश का मान बढ़ाने में लगे हैं। इनमें से कई नाम अगले कुछ दिनों में देश को सुनहरी आभा प्रदान करें तो आश्चर्य नहीं। इसी बिंदु पर उन प्रयासों को दर्ज करना भी महत्वपूर्ण हो जाता है जिनकी बदौलत ये खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर पा रहे हैं। चाहे सरकार की ओर से मुहैया कराई जाने वाली सुविधाएं हों या भारतीय कॉरपोरेट जगत की ओर से स्पॉन्सर की जाने वाली सहूलियतें- इनका ऊंचा होता ग्राफ ही वह माहौल बनाता है जिसमें खिलाड़ी ऊंचे मनोबल के साथ पदक तक पहुंचने वाली छलांग लगा पाता है। गौर करने की बात है कि पिछले आयोजनों के मुकाबले पेरिस ओलिंपिक में इंडिया इंक ने अपना निवेश 30-40 फीसदी बढ़ाया है। मनु की ताजा उपलब्धि की खासियत यही है कि इसमें पूरे देश की भावना, उत्साह और प्रोत्साहन की झलक दिख रही है। भारत के लिये यह बहुत सकारात्मक है कि अब यहां क्रिकेट और हाकी के अलावा कई ऐसे खेल में युवा आगे आ रहे हैं और अपना लोहा मनवा रहे हैं, जिन खेलों के प्रति दो दशक पहले तक अधिकांश लोगों में दिलचस्पी नहीं थी।

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की अनदेखी

■ ज्योति मल्होत्रा

भारत के राजनीतिक वर्ग को क्यों इस बात की परवाह नहीं है कि देश का बच्चा शिक्षित है या नहीं, सेहतमंद है या नहीं इसका जवाब निजी क्षेत्र के जरिये दिया है। ये दोनों मूलभूत सुविधाएं पाने को लोगों की जेब से होने वाले खर्च में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। नए भारत में, यदि आपके पास पैसा है, तो सर्वश्रेष्ठ अस्पताल, स्कूल और कॉलेज वहन कर सकते हैं , लेकिन यदि ऐसा नहीं कर सकते, तो आप दुर्दशा के लिए अभिशप्त हैं...

शुक्रवार के दिन कारगिल विजय स्मृति स्मारक पर आयोजित समारोह के टेलीकास्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खड़े देखा, जैतूनी हरे रंग के बंद-गला कोट और हल्के भूरे लेंस का रंगीन चश्मा लगाकर खूब जंच रहे थे, अपने संबोधन में उन्होंने पाकिस्तान द्वारा सीमा पारीय आतंकवाद को निरंतर शह और मदद देते रहने के लिए लताड़ाङ्क कारगिल युद्ध हुए 25 साल गुजर गए, स्पष्टतः कुछ चीजें बिल्कुल नहीं बदलीं।लेकिन यहां चंडीगढ़ में, बजट दस्तावेज बांचने का काम हमारा इंतजार कर रहा था। एक बारगी लगा कि 'स्वास्थ्य' और 'शिक्षा' वाले हिस्से इससे गायब हैं। हो सकता है, रिसकर उस भाग में चले गए हों जो शेयर मार्केट में निवेश पर अर्जित मुनाफे पर कर की बाबत हैङ्क वह एक कैटेगरी, जिस पर हफ्ते के शुरू में पेश बजट के बाद से भारतीय शेयर मार्केट के दीवानों ने सावधानी से नजर रखी। गौरतलब है कि जिस क्षण सुश्री सीतारमण ने कर लगाने की बात कही, बाज़ार की प्रतिक्रिया कुछ गुस्से भरी दिखी। लेकिन हर कोई जानता है कि मंगलगिरी साड़ी पहने शांत छवि वाली निर्मला दृढ़ इच्छाशक्ति संपन्न महिला हैं, वे वहां पहुंच रही हैं, जहां कोई फरिश्ता और यहां तक कि पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम भी जाने का साहस न करते। उन पर 'रोलबैक वित्त मंत्री' का ठप्पा लगने से रहा।

इससे हमारे लिए एक अन्य सवाल उठ खड़ा होता है : अपना पुनर्गठन, परिवर्तन और आधुनिकीकरण किए जाने को तरस रहे स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र को निर्मला सीतारमण ने क्योंकर नज़रअंदाज़ किया? पुरुष वर्चस्व वाली राजनीतिक पार्टी में इतने उच्च स्तर पर पहुंचना, उससे पहले जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त निर्मला ने भूसे से गेहूं के दाने अलग करना या फिर बुरे और अच्छे व्यवहार बीच फर्क करने की कला अच्छी तरह सीख ली थी (मसलन, अपनी पूर्व मंत्रिमंडल सहयोगी स्मृति ईरानी की तरह वे अपने मातहत अफसरों पर फाइलें फेंककर नहीं मारती, जैसा कि मानव संसाधन मंत्री रहते हुए उन्होंने कथित तौर पर किया)। इसके अधिक, वे डाटा की कद्र है, भले ही यह साफ तौर पर छिपाने की गर्ज से हो। उदाहरण के लिए उन्हें मालूम है कि बजटीय अनुमान और संशोधित अनुमान के बीच तुलना करना नितांत गलत है, क्योंकि ये दोनों अलग चीज़ें हैं ङ्कपहले वाला, अनुमानित खर्च की बाबत है तो दूसरा वास्तव में किए जाने वाले खर्च के बारे में है। इसलिए, पिछले साल के बजटीय अनुमान और मौजूदा साल के संशोधित अनुमानों की तुलना के आधार पर यह कहना एकदम गलत है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए रखे धन में 12 फीसदी इजाफा किया गया है। यह सेब की तुलना संतरे से किए जाने जैसा है।

सही चीज़ होती, मौजूदा और पिछले साल के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना करना। पिछले साल के लिए यह 89,155 करोड़ रुपये था जो मामूली बढ़ोतरी (1,803.63 करोड़) अर्थात 1.98 फीसदी वृद्धि के साथ इस साल 90,958.63 करोड़ रुपये किया गया। इसके अलावा, जहां राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए खर्च में बढ़ोतरी शोचनीय 1.16 फीसदी है वहीं प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना में इजाफा महज 1.4 प्रतिशत है। जबकि इसके लाभार्थी वे 55 करोड़ लोग हैं, जिनका हिस्सा कुल जनसंख्या का लगभग 40 फीसदी हैङ्कउपरोक्त वर्णित दोनों योजनाएं वर्ष 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू की गयी आयुष्मान भारत नामक अग्रणी स्वास्थ्य परियोजना का मुख्य अवयव हैं। तो बजटीय प्रावधान में राशि में की गई इस नगण्य बढ़ोतरी के बूते किस तरह 2025 तक देश से टीबी का खात्मा करने का लक्ष्य पूरा हो पाएगा या सब बच्चों में रोग-प्रतिरोधकता बनाना या फिर लड़कियों एवं महिलाओं में गर्भाशय कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीन जारी करने का ध्येय कैसे पूरा होगाङ्क जबकि फरवरी माह में पेश अंतरिम बजट में अंतिम हेतु वादा किया गया था? फिर यहां कोरा सच है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजटीय खर्च पहले की भांति जीडीपी का महज 1.9 प्रतिशत बना हुआ है, यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 में तय किये गए लक्ष्य यानी 2.5 प्रतिशत वृद्धि से काफी कम है। कोविड-19 महामारी, जिसमें भारत को बहुत जान-माल का भारी नुकसान हुआ (आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या 5,32,000 बताई गई) के बाद लगता था कि जरूर इससे कुछ सबक लिए होंगे। इसलिए, सीखने से मोदी सरकार को इंकार क्यों?

शिक्षा क्षेत्र का आलम भी कुछ अलग नहीं है। पिछले साल के लिए बजटीय अनुमान 1,12,899.47 करोड़ रुपये था, जो इस साल मामूली बढ़ोतरी (7,728.4 करोड़) के साथ 1,20,627.87 करोड़ रुपये किया गया। आर्थिक सर्वे के मुताबिक, जीडीपी के अंश के तौर पर शिक्षा के लिए रखा फंड दरअसल 2.8 प्रतिशत से घटकर 2.7 फीसदी होने के साथ वर्ष 2010 के स्तर पर जा पहुंचा है (जबकि यूनेस्को द्वारा तय वैश्विक मानक 4-6 प्रतिशत है)। आपको हैरानी नहीं होनी चाहिए कि चीन अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 3.3 फीसदी शिक्षा क्षेत्र पर लगाता हैङ्कदुनिया की बेहतरीन यूनिवर्सिटियों को अपनी शाखाएं चीन में खोलने का वह स्वागत करता हैङ्क और तो और अफगानिस्तान तक ने वर्ष 2020 में शिक्षा क्षेत्र के लिए जीडीपी का 2.8 प्रतिशत अंश रखा था (हालांकि तालिबान द्वारा तख्ता पलट के बाद से ऐसा नहीं है), अवश्य ही नयी दिल्ली में कहीं न कहीं कुछ तो गड़बड़ है। इस सवाल का स्पष्ट उत्तर कि भारत के राजनीतिक वर्ग को क्यों इस बात की परवाह नहीं है कि देश का बच्चा शिक्षित है या नहीं, सेहतमंद है या नहींङ्क इसका जवाब निजी क्षेत्र के जरिये दिया है। ये दोनों मूलभूत सुविधाएं पाने को लोगों की जेब से होने वाले खर्च में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। नए भारत में, यदि आपके पास पैसा है, तो सर्वश्रेष्ठ अस्पताल, स्कूल और कॉलेज वहन कर सकते हैं ङ्कलेकिन यदि ऐसा नहीं कर सकते, तो आप दुर्दशा के लिए अभिशप्त हैं। जिन दो देशों ने इनकी अहमियत को सही ढंग से समझा, उनमें एक था पूर्व सोवियत संघ जिसका उत्तराधिकारी अब रूस है और दूसरा है चीन। दोनों की आलोचना वामपंथी राष्ट्र कहकर करना आसान है कि लोकतंत्र में आप बहस कर सकते हैं लेकिन वामपंथी व्यवस्था अधिनायकवादी होती है ङ्क मानो जब बात आपके बच्चे के लिए शिक्षा के इंतजाम की आए तो इसे बहाना बनाकर इस्तेमाल कर लो। तथ्य है कि रूस और चीन ने समझ लिया कि शिक्षित राष्ट्र होने के लिए सब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना आवश्यक है, न कि सिर्फ उन्हें जो कुलीन वर्ग से हैंङ्क इसके लिए समूचे देश में आगाज़ एकदम शुरुआती स्तर से करना है यानि प्राथमिक विद्यालयों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को समुचित धन मुहैया करवाकर। भारत के दक्षिणी राज्यों ने इससे सबक जल्दी ले लिया थाङ्क शुरुआत केरल से हुई, जिसने स्वाथि थिरुनल जैसे अपने पूर्व राजाओं के अलावा वामपंथी सरकार के मुख्यमंत्री ईएमएस नम्बूदरीपाद सरकार से सबक लिया, इसने आगे सामाजिक क्षेत्र के लिए फंड मुहैया करवाने के लिए प्रारूप का काम किया, जो आजतक चला आ रहा है। इसलिए आखिर में, जब तमाम नैतिक उपदेश निपट गए हो, 'क्यों' का उत्तर काफी सरल है। हां, शिक्षा और स्वास्थ्य भाजपा के लिए तरजीह नहीं हैं, इसके लिए स्टॉक मार्केट की तरफ ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अंदरूनी और विदेशी निवेशकों को भारत में पैसा लगाने का दोस्ताना संकेत है। सिवाय कुछ और, वही सरल उत्तर है। सच तो यह है कि हम सब दोषी हैं। सत्ताधारी दल और सभी विपक्षी पार्टियां, सब इस में भागीदार हैं ङ्क भाजपा, कांग्रेस, समाजवादी दल, डीएमके, एनसीपी, तृणमूल कांग्रेस या कोई भी अन्य राजनीतिक दल। किसी को परवाह नहीं कि शिक्षा और स्वास्थ्य को तरजीह न दिए जाने पर भाजपा को घेरकर तीखे सवाल पूछेङ्क 'क्योंकि हमें डर है, तब लोग पलटकर हम से भी वही सवाल पूछेंगे। जब हम सत्ता में थे तब क्यों नहीं कुछ कर दिखाया?' इसलिए 'हम' इल्जाम, और अपराधबोध फैलाते हैं। या तो हम सब गलत है याज्कोई नहीं। बल्कि हम तो टेलीविज़न पर प्रधानमंत्री को कारगिल पर बड़ी-बड़ी बातें करते देखेंगे या फिर स्टॉक मार्केट पर नज़रें गड़ाए रखेंगे क्योंकि इसका ग्राफ भी ओलम्पिक में मेरे पसंदीदा खिलाड़ी की दिल की धड़कनों जितना ऊपर-नीचे होता है- और हां, ओलम्पिक खेल भी तो शुरू हो चुके हैं।

- साभार

निशाना

काण्ड भी तमाम !

- कृष्णेन्द्र राय

जैसी करनी वैसी भरनी ।
खाए खूब मलाई ।।
पर आए थे करने ।
जनता की भलाई ।।
तय मिलना परिणाम ।
पेश किया जो काम ।।
सत्य है पर लेकिन ।
काण्ड भी तमाम ।।
एक एक कर चीजें ।
बाहर आने वाली ।।
हो रहा कुछ सूखा ।
थी पहले हरियाली ।।
होना था प्रहार ये ।
आज नहीं तो कल ।।
फंस गई है गाड़ी ।
लगता मुश्किल हल ।।

आज का इतिहास

- 1844 आग ने चार्लोट और उत्तरी केरोलिना के अमेरिकी टकसाल को नष्ट कर दिया।
- 1862 अमेरिकी शहर कैंटन में हरिकेन तूफान का कहर हुआ, जिसमें 40 हजार लोगों की मौत हुई।
- 1888 फिलिप प्राट ने पहला इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल का प्रदर्शन किया।
- 1888 फिलिप प्रैट के द्वारा पहला अमेरिकी बिजली से चलने वाला तिपहिया का निर्माण किया।
- 1908 हाँग काँग के टायफून ने यात्री स्टीमर यिंग किंग से 421 लोगों की जान गंवाई।
- 1914 फेलिक्स मैनलो ने फिलीपींस में एक स्वतंत्र, गैर ट्रिनिटेरियन ईसाई चर्च, आधुनिक इग्लेसिया नी क्रिस्टोरेलिजियन की स्थापना की।
- 1916 ब्रिटिश मार्जेन चार्ल्स फ्रायट को ब्रुग्स में मार डाला गया था, बेल्जियम के बाद कोर्ट-मार्शल ने उन्हें फ्रैंक-टायरर पाया।
- 1919 रेड समर-रेस के दंगे शिकागो में एक दक्षिण-पश्चिम समुद्र तट पर एक नस्लीय घटना के बाद भड़क उठे, जिसके कारण पांच दिन की अवधि में 38 घातक और 537 घायल हुए।
- 1921 टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने फ्रेडरिक बैंटिंगप्रोवर्ड के नेतृत्व में कहा कि हार्मोन इंसुलिन रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है।
- 1921 टोरंटो यूनिवर्सिटी के दो वैज्ञानिकों फ्रेडरिक बैंटिंग और चार्ल्स बेस्ट ने इंसुलिन नाम के हार्मोन को अलग करने में सफलता पाई।
- 1935 चीन के यांग जी और होआंग नदी में आई बाढ़ से दो लाख लोगों की मौत हुई।
- 1940 बग्स बनी ने एनिमेटेड कार्टून ए वाइल्ड हरे में शुरुआत की।

जानना देखे गए को याद रखना है, देखना बिना याद रखे जानना है।
ओरहान पामुक

जैसे शूटर मनु भाकर का जीवन बदला, वैसे सभी को राह दिखा सकती है श्रीमद्‌भगवद्‌ गीता

■ विनोद पाठक

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

श्रीमद्भगवद गीता के इस श्लोक का अर्थ है, 'तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करना ही है। कर्मों के फल पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। अतः तुम निरन्तर कर्म के फल पर मनन मत करो और अकर्मण्य भी मत बनो।' पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पहला मेडल जीतने के बाद शूटर मनु भाकर ने श्रीमद्भगवद गीता के इस श्लोक का जिक्र किया। मनु भाकर ने कहा कि वो श्रीमद्भगवद गीता का नियमित पाठ करती है, जिसमें कहा गया है कि स्वयं कर्म पर भरोसा रखो। जो बीत गया, उसकी चिंता में डूबने के बजाय लक्ष्य पर फोकस करो।

टोक्यो ओलंपिक- 2020 में मेडल की रेस से बाहर होने के बाद मनु भाकर निराशा में डूब गई थी। श्रीमद्भगवद गीता ने मनु को निराशा से बाहर लाने का काम किया। मनु भाकर ने कहा कि जब वो पेरिस ओलंपिक में मेडल के लिए निशाना लगा रही थी तो उसके दिमाग में श्रीमद्भगवद गीता ही चल रही थी।

दरअसल, टोक्यो ओलंपिक- 2020 में मेडल की रेस से बाहर होने के बाद मनु भाकर निराशा में डूब गई थी। श्रीमद्भगवद गीता ने मनु को निराशा से बाहर लाने का काम किया। मनु भाकर ने कहा कि जब वो पेरिस ओलंपिक में मेडल के लिए निशाना लगा रही थी तो उसके दिमाग में श्रीमद्भगवद गीता ही चल रही थी। दुनिया की 75 से अधिक भाषाओं में अनुवाद की जा चुकी श्रीमद्भगवद गीता का विश्व की महान विभूतियां नियमित रूप से पाठ करती रही हैं। अपने जीवन में श्रीमद्भगवद गीता की शिक्षा का अनुसरण करती रही हैं। स्वयं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रीमद्भगवद गीता से गहरा लगाव था और उनके जीवन पर श्रीमद्भगवद गीता ने गहरा प्रभाव छोड़ा था। सस्ता साहित्य मंडल नई दिल्ली से महात्मा गांधी के लेखों पर प्रकाशित पुस्तक %गीता की महिमा% में उनके धार्मिक विचारों की झलक मिलती है। एक लेख में महात्मा गांधी ने लिखा कि गीता शास्त्रों का दोहन है। गीता मेरे लिए माता हो गई है। जब कभी संदेह मुझे घेरते हैं और मेरे चेहरे पर निराशा छाने लगती है तो मैं गीता को एक उम्मीद की किरण के रूप में देखता हूं। गीता में मुझे एक छंद मिल जाता है, जो मुझे साथ सांत्वना देता है। मैं कष्टों के बीच मुस्कराने लगता हूं।

भारत के मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भी श्रीमद्भगवद गीता से बेहद प्रभावित थे और उसका नियमित पाठ करते थे। अपनी आत्मकथा %विंग्स ऑफ फायर% में उन्होंने अपने गीता से जुड़ाव की जिक्र किया है। एक स्थान पर कलाम ने बताया कि कैसे एक बार तिरुअनंतपुर के तट पर उन्हें भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक और महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई श्रीमद्भगवद गीता पढ़ते हुए मिले थे। विक्रम साराभाई ने ही उन्हें श्रीमद्भगवद गीता पढ़ने के लिए प्रेरित किया था। अपनी आत्मकथा में कलाम ने लिखा कि गीता एक विज्ञान है और भारतीयों के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत का गर्व का बड़ा विषय है। दुनिया में परमाणु बम के जनक अमेरिकी वैज्ञानिक जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर को भी श्रीमद्भगवद गीता से गहरा लगाव था। 1930 के दशक में ओपेनहाइमर हिंदू ग्रंथों से प्रभावित हुए और वर्ष 1933 में हर गुरुवार को वो श्रीमद्भगवद गीता पढ़ने जाते थे, जिसे बर्कली में रहने वाले आर्थर राइडर नाम के संस्कृत शिक्षक पढ़ाते थे।

ओपनहाइमर ने श्रीमद्भगवद गीता को अनुवाद किए बिना पढ़ने का निर्णय लिया था और इसके लिए उन्होंने संस्कृति सीखी थी। वर्ष 1785 में सर्वप्रथम ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्मचारी चार्ल्स विलकिंस ने संस्कृत से अंग्रेजी में श्रीमद्भगवद गीता का अनुवाद किया। यह किसी भी यूरोपीय भाषा में संस्कृत से होने वाला पहला अनुवाद भी है। श्रीमद्भगवद गीता मनुष्य को कर्तव्य का बोध कराती है। जीवन जीने की कला सिखाती है। सत्कर्म करते हुए जीवन जीने की शिक्षा देती है। यही कारण है कि दुनिया के अधिकांश देशों में श्रीमद्भगवद गीता का अध्ययन हो रहा है। अमेरिका की न्यूजर्सी यूनिवर्सिटी में श्रीमद्भगवद गीता को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाता है। ऐसे विश्व में कई विश्वविद्यालय हैं, यहां श्रीमद्भगवद गीता को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। केवल शूटर मनु भाकर नहीं, दुनिया में करोड़ों-करोड़ लोगों को श्रीमद्भगवद गीता राह दिखा रही है। आज देश-दुनिया में सैकड़ों लोग अवसाद का शिकार हो रहे हैं। निराशा में डूब रहे हैं। यदि वो श्रीमद्भगवद गीता का पाठ करें तो जीवन और विश्व में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

- साभार

अंतिम संस्कार के लिए शव को जान जोखिम में डालकर नदी-नालों से ले जाना पड़ता है

संतोष सिंह चंदेल/सिवनी मालवा।

इस भागदौड़ भरी जिंदगी में कहते हैं कि जीते जी तो सुकून नहीं मिला लेकिन मरने के बाद जरूर सुकून मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं है। 21वीं सदी की आज हम आपको जो तस्वीर दिखाने जा रहे हैं। उसे देखकर तो ऐसा नही लगता है कि हम आज 21वीं सदी में है। सिवनी मालवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत नंदरवाड़ा के उस पार 400 लोगो की आबादी में बसे सांटामऊ टोला ग्राम मैं रहने वाले राधेलाल कुशवाहा का सोमवार के निधन हो गया। उनको अंतिम संस्कार के लिए स्थानीय मुक्तिधाम में ले जाने के लिए नदी नालों में गहरे पानी से गुजर कर उन्हें मुक्तिधाम तक ले जाया गया अब आप इस बात से अंदाजा लगाइए की क्षेत्र में किस प्रकार से विकास हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी प्रकार से गर्भवती महिलाओ को खटिया और चारपाई पर उठा कर अस्पताल और एंबुलेंस तक ले जाया जाता है। यहां तक की स्कूली छात्र-छात्राओं और बुजुर्गों को आने-जाने में सबसे ज्यादा समस्याओं का सामना करके नाला पार करना पड़ता है। गांव के ही ताहिरशाह ने बताया कि कई बार इस बात की शिकायत विधायक से की यहां तक के ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव का भी बहिष्कार करा लेकिन जनप्रतिनिधियों के मान मनोबल के कारण ग्रामीण मान गए लेकिन आज भी नंदरबाडा ग्राम के सांटामऊ टोला क्षेत्र के ग्रामीण आज भी बदहाली का जीवन जी रहे हैं। कई छात्र-छात्राओं ने मजबूरन पढ़ाई छोड़ दी बीमार लोगों को समय पर उपचार करने के लिए एंबुलेंस और अस्पताल तक नहीं ले जा सकते हैं। पिछली साल बारिश में इसी टोले की एक गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाते समय ही रास्ते में दम तोड़ दिया था।

ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए नदी-नालों से होकर जाना पड़ता है श्मशान घाट तक।

छात्रा ने विधायक को दिया था दो टूक जवाब

इसी टोले में पढ़-लिखकर क्षेत्र का नाम कमानेवाली हिमांशी कुशवाहा ने कक्षा 12वीं में प्रथम श्रेणी से पास की थी उसे सरकार की तरफ से स्कूटी फ्री दी गई है जब इस कार्यक्रम में विधायक प्रेम शंकर वर्मा को छात्र ने दो टूक जवाब देकर सड़क की मांग करी थी। शिवानी का कहना था कि आने जाने के लिए जब सड़क ही नहीं है तो मे स्कूटी का क्या करूंगी तब भी विधायक ने आश्वासन दिया था कि शीघ्र सड़क बना दी जाएगी। अब ग्रामीण इन जनप्रतिनिधियों की वादा खिलाफी से कहीं ना कहीं तंग आते हुए दिखाई दे रहे हैं।

प्रथम आने पर इस छात्रा को दी थी स्कूटी।

■ ग्राम पंचायत का सांटामऊ टोला के लोगों के लिए बारिश के दोनों में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है विशेष कर जब किसी की मृत्यु हो जाती है उसे श्मशान घाट तक ले जाने में बड़ी ही मुश्किलों का सामना करना पड़ता है इस बात की शिकायत हमने कई बार विधायक से की लेकिन आज तक हमारे क्षेत्र की समस्या का हल नहीं हुआ।

उमाशंकर कुशवाहा, सरपंच, ग्राम नंदरबाड़ा, सिवनी मालवा

ग्रामीणों ने विधायक पर लगाए वादा खिलाफी का आरोप

चुनाव के दौरान ग्रामीणों से लुभावने वादे करने के बाद क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उन ग्रामीणों को अधिकतर भूल जाते है ग्रामीणों ने बताया की पिछले वर्ष जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुधीर पटेल जब कांग्रेस में थे तब आए थे तथा उन्होंने शीघ्र सड़क निर्माण की घोषणा करी थी। विधानसभा चुनाव में क्षेत्र के विधायक ने चुनाव के तुरंत बाद सड़क बनाने की घोषणा करने पर ही समस्त ग्रामवासी द्वारा वोट डालने को राजी हुए थे नहीं तो गमीणों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया था। विधानसभा का चुनाव हुए करीबन 8 माह का समय हो गया है लेकिन लौटकर विधायक एक बार भी यहां नहीं आए।

बाघ दिवस पर सम्मानित हुए

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया

मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को किया सम्मानित।

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। 2010 में इसकी शुरुआत हुई जब पूरे विश्व के 13 टाइगर रेंज राष्ट्रों द्वारा बाघ संरक्षण पर और बाघ जनसंख्या को दुगना करने के लिए संकल्प लिया गया। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के स्टाफ चंद्रपाल धुर्वे, वन रक्षक एवं सुखलाल, बोट चालक को केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा उत्कृष्ट कार्य एवं साहस के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मध्यप्रदेश से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को प्राप्त हुआ। राष्ट्र स्तर पर यह पुरस्कार केवल 17 कर्मचारियों को प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त राज्य स्तर पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के स्टाफ गोपाल सिंह चौहान, परिक्षेत्र सहायक और नंदकिशोर अहिरवार, वनरक्षक को उनके सराहनीय एवं निष्ठापूर्ण कार्यों के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा भोपाल में सम्मानित किया गया।

43 स्कूलों पर कार्रवाई का विरोध

जिला शिक्षा अधिकारी की मनमानी के खिलाफ विधायक से मिले स्कूल संचालक

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

विगत दिनों प्राइवेट स्कूल का डेलिगेशन नर्मदापुरम इटारसी के विधायक सीताशरण शर्मा से मिला और जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गलत तरीके से 43 स्कूलों पर की गई कार्यवाही के विरोध में ज्ञापन दिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने गलत तरीके से उक्त स्कूलों के खिलाफ 5 वर्ष से मनमानी फीस वसूली की न्यूज़ जारी की, जिसके विरोध में स्कूल संचालकों ने कहा की ,एक भी स्कूल ने लगातार फीस नहीं बढ़ाई है कुछ स्कूलों की पोर्टल में फीस त्रुटिवश फीड होने से बढी हुई दिखाई दे रही है, जिसकी सम्पूर्ण जानकारी स्कूल संचालकों द्वारा 4 से 5 बार सम्बंधित अधिकारी को भेजी जा चुकी हैं, परन्तु इसके बाद भी शिक्षा विभाग द्वारा परेशान किया जा रहा है।

इस सम्बन्ध में विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी बिसेन जी को मोबाइल पर चर्चा की और बिना वस्तु स्थिति जाने बिना किसी प्रकार की कार्यवाही न करने को कहा और यह भी कहा की आप किसी भी स्कूल की जाँच नियामनुसार ही करें ,आप आय व्यय की व्याख्या गलत तरीके से कर रहे हैं, अधिनियम की धारा 5 की उपधारा 2 में स्पष्ट है।

नियमों का पालन करना अधिकारी का काम है नियमों की व्याख्या नहीं करें

स्कूल संचालकों को नाहक परेशान करना किसी के भी हित की बात नही है, उन्होंने कहा कि समिति का मुनाफा राज्य शिक्षा केंद्र का विषय नहीं है। विधायक ने जल्द ही कलेक्टर एवं जिला पंचायत सी ई ओ से मीटिंग करने की बात कही।

नर्मदापुरम में बने नर्मदालोक

केंद्रीय बजट पर सांसद चौधरी ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

पहली बार होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र से चुनाव जीतने वाले भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट पर अपना भाषण दिया उनके बोलने की कला शब्दों का चयन और बात की गंभीरता देखते ही बनती थी, चौधरी ने जहां केंद्रीय सरकार के बजट को ऐतिहासिक और सर्वहितेषी बताया वहीं उन्होंने नरसिंहपुर जिले में सहकारी शक्कर मिल ,नर्मदा क्षेत्र का संपूर्ण विकास। पर्यटन स्थल पचमढ़ी के विकास सहित छोटे स्टाफ डेम एवम किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के कार्य को विस्तार देने की बात की सांसद ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण में सर्वव्यापी और सर्वहितकारी बजट प्रस्तुत किया है उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में किसान के लिए कहावत है खरो कमावे खोटो खावे। विपक्ष और कांग्रेस को आधे हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि करें ना खेती परे ना फन्द, इस कारण भय मूसरचंद। विपक्ष को खेती करना आता नहीं और खेत खलियान की बात करते हैं। कांग्रेस के शासन में किसान की खेती बर्बाद हुई। किसानो ने आत्महत्या करी। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य में किसान खुशहाल है। मध्य प्रदेश में पांच बार से भाजपा की सरकार है, डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में किसान खुशहाल है। दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि हमारी सरकार किसान को आत्मनिर्भर बना रही है।

723 मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की जांच

भारी बारिश में भी ऐतिहासिक रूप से सफल रहा मेगा स्वास्थ्य शिविर: विधायक

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

अग्रवाल समाज इटारसी की प्रतिनिधि संस्था तरुण अग्रवाल मंडल इटारसी द्वारा 22 वर्षों से संचालित श्री अग्रसेन फ्री डिस्पेंसरी के तत्वावधान में आयोजित पारंपरिक और पूरी तरह निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन 28 जुलाई 2024, रविवार को प्रातः 9ः30 बजे से सायं 3:30 बजे तक श्री अग्रवाल भवन, अग्रसेन चौक, सब्जी मंडी इटारसी में किया गया। उक्त जानकारी मंडल प्रवक्ता एवं सहसचिव संजय शिल्पी ने दी शिविर में 723 मरीजों की उच्च स्तरीय जांच विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की। 342 मरीजों की हाड़ियों में केल्शियम के घनत्व की निःशुल्क जांच दो बी एम डी मशीनों से की गई। 325 मरीजों की विभिन्न तरह के ब्लड टेस्ट जैसे लिपिड प्रोफाइल, थायराइड, सी बी सी,आर ए फैक्टर, यूरिक एसिड, विटामिन डी,ब्लड शुगर आदि की निःशुल्क जांच की गई।प्रारंभ में शिविर प्रभारी - डॉ. पी. डी. अग्रवाल (प्रभारी चिकित्सक- श्री अग्रसेन फ्री डिस्पेंसरी), मंडल अध्यक्ष गुलाब चंद अग्रवाल,पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत अग्रवाल, शिविर संयोजक रवि अग्रवाल,सह संयोजक संजय शिल्पी, हरीश अग्रवाल,डा ताबिश अरोरा, डा उमंग अग्रवाल, डा अभिषेक अग्रवाल डा कोकिला अग्रवाल, डा मनन अग्रवाल,आदि ने श्री अग्रसेन जी की पूजन कर उनके समक्ष दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। शिविर में डॉक्टर्स द्वारा लिखी गई करीब 20 हजार मूल्य की सभी दवाइयाँ,इंजेक्शन निःशुल्क प्रदान की गई एवं डॉक्टर द्वारा लिखे गए सभी ब्लड टेस्ट भी निःशुल्क कराये गए। कार्यक्रम का समापन विधायक डा. सीतासरन शर्मा के मुख्य अतिथि में हुआ।आयोजकों की तरफ से शिविर संयोजक रवि अग्रवाल (जगदंबा मेडिकल),गुलाबचंद अग्रवाल अध्यक्ष तरूण अग्रवाल मंडल, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत अग्रवाल,उमेश अग्रवाल,सतीश सांवरिया,दीपक एच अग्रवाल,अतुल अग्रवाल उपाध्यक्ष द्वय, मंडल प्रवक्ता,सहसचिव व सहसंयोजक संजय शिल्पी, सह संयोजक गण हरीश अग्रवाल,प्रियंक गोयल,कामेश अग्रवाल (मोनू) ने डा शर्मा ओर उपस्थित सभी डॉक्टर्स का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। डा शर्मा ने सभी सेवा भावी चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी चिकित्सकों और आयोजक तरुण अग्रवाल मंडल की सेवा भावना की तारीफ करते हुए कहा कि भारी बारिश में 700 से अधिक मरीजों की भागीदारी से यह मेगा स्वास्थ शिविर ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। शिविर को सफल बनाने में दवा वितरण समिति सदस्य अखिलेश अग्रवाल, कामेश अग्रवाल, कौशल अग्रवाल, शशांक अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल तो वहीं पंजीयन समिति में ममता अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, मीना अग्रवाल, श्रुति अग्रवाल, सपना अग्रवाल, डोली अग्रवाल, नैन्सी अग्रवाल, रीता अग्रवाल का सहयोग रहा। डॉक्टर्स कंसल्टेशन समिति में अनुराग अग्रवाल, पेथोलॉजी टेस्ट समिति में प्रदीप अग्रवाल, प्रचार-प्रसार समिति सदस्य प्रियंक गोयल,रंजीत अग्रवाल, हरीश अग्रवाल,मुख्य स्वास्थ्य शिविर समिति के प्रमुख सदस्य सुरेन्द्र अग्रवाल, अनिल मित्तल, दीपक जीवनलाल अग्रवाल, सुदर्शन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल (ओम चाचा), निर्मल अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

मेट्रो एंकर **अधीक्षण यंत्री के बंगले पर लोकायुक्त कार्रवाई की ठेकेदारों के बीच चर्चा**

नर्मदपुरम लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण यंत्री तिरोले को 10 लाख की रिश्वत लेते हुए पकड़ा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो। लोक निर्माण विभाग नर्मदापुरम मंडल के अधीक्षण यंत्री रमेश चंद्र तिरोले को रविवार को उनके निवास पर लोकायुक्त की टीम ने 10 लख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा. पीडब्लूडी अधिकारी ने यह रिश्वत बैतूल जिले के मुलताई एवं भेसदेही में चल रहे सड़क निर्माण कार्य की अवधि बढ़ाने के लिए ठेकेदार से मांगी थी. बताया जाता है कि सड़क निर्माण की अवधि बढ़ाने के लिए अधीक्षक जयंती ने 20 लख रुपए की डिमांड की थी. लेकिन बाद में सौदा 12 लाख में तय हुआ था. इसमें से 10 लाख रुपए ठेकेदार रविवार को उनके बंगले पर देने पहुंचा था।

एस ई तिरोले के पास से बरामद 10 लाख रुपए को गिनते हुए लोकायुक्त अधिकारी।

ठेकेदार ने भोपाल जाकर लोकायुक्त कार्यालय में इसकी शिकायत की थी

लोक निर्माण विभाग नर्मदापुरम में अधिक्षण यंत्री के पद पर नियुक्त हुए तिरोले को अभी एक साल का समय भी नहीं हुआ है। धन के पिपासु इस अधिकारी के द्वारा इस दौरान ठेकेदारों को परेशान करने संबंधी कई शिकायतें भी की गई थी। इनका अधिकांश समय भोपाल में या उनके सरकारी बंगले पर ही व्यतीत होता था। कभी कभार ही इनके दर्शन ऑफिस में होते थे। उनकी इस कार्य शैली से कर्मचारी परेशान थे क्योंकि उन्हें ऑफिस से उठके उनके घर पर जाना पड़ता था। तिरौले अपना काम घर पर ही निपटाते थे।अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों पर धौंस जमाना और उन्हें धमकी देना कि मेरे रिश्तेदार बड़े-बड़े पदों पर है। बताया जाता है कि अधीक्षण यंत्री कार्यालय में इन्होंने एक सीनियर क्लर्क को हेड कलर्क का प्रभार दे रखा है ।10 लाख की रिश्वत हुए दबोचे गए अधीक्षण यंत्री आरसी तिरोले के पास गत वर्ष कार्य पालन यंत्री हरदा और नर्मदापुरम पीआईयू का प्रभार था। राजनीतिक प्रभाव के चलते इन्होंने अधिक्षण यंत्री का प्रभार हथिया लिया। नर्मदापुरम संभाग के कुछ ठेकेदारों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इनके द्वारा प्रत्यक्ष रूप से रिश्वत की मांग की जाती रही है। अगर उनकी डिमांड पूरी नहीं करो तो यह काम में कमी निकालने में जरा भी कसर नहीं छोड़ते थे। यह भी मांग की गई है कि इनके द्वारा सेवा काल में कमाई गई चल अचल संपत्ति की भी जांच होनी चाहिए।

तेज बारिश से रेलवे लाइन की साइडिंग धसी, रेल यातायात बाधित

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

नागपुर बायपास रेल मार्ग रविवार को बंद हो गया है। भारी बारिश के कारण इटारसी से बायपास होकर निकलने वाला मार्ग बंद हुआ है। यह बायपास ट्रेक जुझारपुर-मेहरागांव ङ्क पवारखेडा है। यह कई स्थानों पर बारिश का पानी जमा होने से धंस गया है। रेलवे ट्रेक के किनारे की मिटटी को बोरियों में गिटटी भरकर धंसने से रोका जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक बोरतलाई के आसपास ट्रेक ज्यादा डैमेज हुआ। पवारखेडा-पथरोटा-जुझारपुर रेलवे बायपास ट्रेक पहले ही बंद हो चुका है। इसकी भी वजह बारिश ही रही है। सूत्रों का कहना है कि अभी रेलवे ने नागपुर बायपास ट्रेक को दुरस्त करने के लिए दोपहर 3 बजे तक ब्लाक लिया है, अभी ट्रेनों को इटारसी रेलवे स्टेशन से होकर आगे निकाला जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मालगाडी ट्रेनों और बडी सुपरफास्ट ट्रेनों को निकालने के लिए यह बायपास ट्रेक बनाया गया है।

150 करोड रुपये हुए हैं खर्च: जानकारी के मुताबिक अप और डाउन बायपास ट्रेक को बनाने के लिए रेलवे ने करीब 150 करोड रुपये खर्च किए हैं। हालांकि बारिश में इसकी कलई खुल गई है। रेलवे द्वारा मरम्मत कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

विधायक 4 बजे अचानक सीएम राइज स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे

स्कूल में हो चुकी थी छुट्टी, जताई नाराजगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

4 बजे के बाद क्षेत्र विधायक उमाकांत शर्मा सीएम राइज स्कूल का जायजा लेने के लिए पहुंचे तो स्कूल में छुट्टी कर दी गई थी इस पर उन्होंने ने जिम्मेदारों को डांट फटकार लगाते हुए व्यवस्थाओं में परिवर्तन करने के निर्देश दिए। वहीं नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में संचालित होने वाली अधिकांश शासकीय संस्थाओं के तले अधिकांश शिक्षकों के हिसाब से ही खुलते हैं और बंद होते हैं कुछ जगह बसों के हिसाब से खुलते हैं और बंद होते हैं दूसरी ओर कई विद्यालय के ताले समय के बाद खुलते हैं और समय से पहले बंद हो जाते हैं इस वजह से स्कूलों में बच्चों की संख्या धीरे-धीरे कम होती जा रही है इस बात का ध्यान भी शासन से लेकर शिक्षकों के द्वारा नहीं रखने का कार्य किया जा रहा है। आखिर सरकारी स्कूलों से बच्चे क्यों काम हो रही है दूसरी ओर सरकारी सिस्टम की व्यवस्था की पोल भी कई बार खुल चुकी है फिर भी बदलाव लाने के लिए धरातल पर काम नहीं हो रहा है। सोमवार को क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा, एसडीएम हर्षल चौधरी, तहसीलदार संजय चौरसिया ,एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ,थाना प्रभारी संदीप सिंह पवार को साथ लेकर सीएम राइज स्कूल का औचक निरीक्षण करने के लिए 4 बजे के बाद स्कूल में पहुंचे तो बच्चों की छुट्टी हो चुकी थी इस पर विधायक ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि समय से पहले बच्चों की छुट्टी क्यों की गई है कई शिक्षकों को फटकार भी लगी इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी पूरे समय शैक्षिक गतिविधियां संचालित हो विद्यालय में आने वाले छात्रों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार के द्वारा सीएम राइज स्कूल खोला गया है। उसका फायदा मिलना चाहिए फटकर लगाते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही आगे बर्दाश्त नहीं की जाएगी निर्धारित समय पर शालाएं खुले हैं और पूरे समय के बाद ही बंद होनी चाहिए एसडीएम को भी उन्होंने व्यवस्थाओं में सुधार करवाने के निर्देश दिए इसके अलावा उन्होंने शिक्षक पुस्तिका भी देखी उपस्थिति रजिस्टर व अन्य जानकारियां भी ली दो शिक्षक अवकाश पर मिले दूसरी ओर शिक्षक से भी विधायक ने बातचीत की इसके बाद उन्होंने स्कूल के खेल परिसर का जायजा लिया। सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था जो चौपट हो रही है उसमें बदलाव हो सकता है। इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा अभी अधिकांश स्कूलों का संचालक निर्धारित समय से नहीं हो रहा है कई स्कूल 12 बजे के बाद खुलते हैं और 3 बजे के बाद बंद होने लगते हैं जिसकी पोल भी कई बार खुल चुकी है फिर भी इसमें परिवर्तन करने का काम नहीं किया जा रहा है।

1530 बच्चे हैं सीएम राइज स्कूल में शिक्षकों की कमी

सीएम राइज स्कूल का संचालन दो फलियों में हो रहा है सुबह की पाली में 530 बच्चे आते हैं और शाम की पाली में 1000 बच्चे आते हैं इसकी जानकारी होने के बाद भी शिक्षकों की कमी को पूरा करने का काम जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा नहीं किया जा रहा है। इस कारण बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है इस वजह से आधे विद्यार्थी ही स्कूल में प्रतिदिन पहुंचते हैं वैसे ही बिल्डिंग नहीं बन पाई इस वजह से कम जगह में स्कूल का संचालन हो रहा है। जबकि सरकार के द्वारा अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विकास खंड स्तर पर सीएम राइज स्कूल का संचालन करवाया जा रहा है जिसमें उच्च शिक्षा प्राप्त शिक्षकों की नियुक्ति की गई है बच्चों की संख्या के हिसाब से टीचरों की नियुक्ति नहीं होने के कारण पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है इसकी जानकारी होने के बाद भी अधिकारियों के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जिम्मेदार अधिकारी तोड़ रहे है कुर्सिया

जिम्मेदार अधिकारी ऑफिसों में ही जमे बैठे रहते है, कभी कभार स्कूलों में जाकर यह देखने की जहमत भी नहीं करते कि स्कूल लग रहे है या नहीं शिक्षक समय पर स्कूल जा रहे है या नहीं या पूर्व में प्रदेश के कई स्थानों के स्कूलों की न्यूज आ चुकी है कि जाँच के दौरान शिक्षक के स्थान पर कोई दूसरा व्यक्ति पढाता हुआ मिला कही सिरोंज के इलाकों में भी तो ऐसा नहीं हो रहा कि शिक्षकों की जगह कोई और पड़ा रहा है, जब सिटी के स्कूल सीएम राइज के ये हालात है तो ग्रामों में तो बच्चों की पढाई भगवान भरोसे ही हो रही है।

ग्रामीण इलाकों हालात और भी दयानीय

ग्रामीण इलाकों के शिक्षकों को अक्सर देखा गया है कि वोह बस के समय अनुसार स्कूल जाते है सूत्रों के अनुसार इलाके के कई स्कूल 2-3 घंटे ही लगते क्यूंकि यहाँ के शिक्षकों को अधिकारियों का डर तो है ही नहीं की वोह स्कूल चेक करने आयेंगे, इस कारण से इलाके के बच्चों की पढाई की स्थिति दयानीय हो गई है, देखा गया है की इलाके के अक्सर सरकारी स्कूलों के बच्चों को पड़ना लिखना ही नहीं आता है।

अवकाश स्वीकृति के बगैर शिक्षक रहते है नदारद

सूत्रों के अनुसार कई स्कूलों में देखा गया की शिक्षक बिना अवकाश स्वीकृत करवाये स्कूल में नहीं मिलते सिर्फ अवकाश आवेदन ही मिलता है जब सिटी के सीएम राइज स्कूल के यह हाल है तो आप समझ सकते है ग्रामीण इलाकों में क्या चल रहा है।

इनका कहना है -

यह स्कूल दो पालियों में लगता है हमने निर्देश दिए हैं। अगस्त माह से दोनों पालियों का रजिस्टर अलग-अलग बनाया जाए। वह समय के साथ आने जाने की एंट्री की जाए। अवकाश के आवेदन पत्रों की नस्ती बनाई जाए। अवकाश स्वीकृति के बगैर कुछ आवेदन मिले हैं। कार्रवाई के लिए बीईओ को लिखा है।

हर्षल चौधरी, *अनुविभागीय अधिकारी*

बचाव एवं राहत कार्यों के लिए नपा के अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने का आदेश जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विदिशा जिले में जारी अनवरत वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय क्षेत्र विदिशा में बाढ़ अतिवर्षा की स्थिति से निपटने एवं बचाव तथा राहत कार्यों के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी विदिशा के द्वारा आदेश जारी कर नगर पालिका में पदस्थ विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाने के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में उल्लेख है कि प्रभारी, सहायक कर्मचारी एवं दैनिक वेतन कर्मचारी, श्रमिकों के द्वारा अति वृष्टि एवं निरंतर वर्षा के समय संबंधित अधिकारी, कर्मचारी निकाय द्वारा पुराना अस्पताल परिसर स्थित स्वास्थ्य शाखा गैरिज में स्थापित नियंत्रण कक्ष में उपस्थित रहकर राहत एवं बचाव कार्य करेंगे। शेष समय में संबंधित कर्मचारी या श्रमिक अपना नियमित कार्य संपादित करेंगे। आपदा प्रबंधन में संलग्न समस्त अधिकारी कर्मचारी 24 घंटे अपना मोबाइल चालू रखेंगे यह आदेश अवकाश दिवस में भी लागू रहेगा।

जारी आदेश में उल्लेख है कि नगरीय क्षेत्र विदिशा के वार्ड क्रमांक 1 से लेकर 39 तक के लिए सहायक यंत्री सुश्री वैशाली पाण्डेय मो. 9098432245 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा सहायक के लिए वार्ड क्रमांक 1 से 20 तक के लिए स्वच्छता निरीक्षक राजेश शर्मा मो. 9893910144 एवं वार्ड क्रमांक 21 से 39 तक के लिए स्वच्छता निरीक्षक श्री दिनेश सिंह तोमर मो. 9826852759 को दायित्व सौंप गए हैं। विदिशा नगरीय क्षेत्र के सभी 39 वार्डों में कुल तीन दलों का गठन किया गया है। जिनमें प्रथम दल वार्ड क्रमांक 1 से 13 तक के लिए प्रभारी अधिकारी उपयंत्री श्री राम प्रकाश जायसवाल मो. 7869328941 के साथ-साथ अन्य सहयोगी कर्मचारियों व स्वास्थ्य दल में कर्मियों को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार द्वितीय दल में वार्ड क्रमांक 14 से 26 तक के लिए उपयंत्री सुश्री नीलम रजक मो. 8878712925 को प्रभारी अधिकारी तथा अन्य सहयोगी कर्मचारी व स्वास्थ्य दल में कर्मियों को गठित किया गया है।

सावन सोमवार को निकली कावड़ यात्रा, शिव मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु ,देवपुर में लगा जाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सावन का महीना शिवजी की चल रहा है इसलिए नगर से लेकर ग्रामीण जिलों में सुबह से लेकर देर शाम तक सावन सोमवार को पूजा अर्चना के साथ अभिषेक हुए वहीं शहर के सभी शिवालयों में जलाभिषेक करने के लिए सुबह से ही भक्तों का तांता लग रहा। वही क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ धाम देवपुर में एक दिन पहले से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था प्रातः काल पवित्र कुंड के जल से स्नान करके पूजा अभिषेक का दौर शुरू हो गया था देखते ही देखते हजारों की संख्या में श्रद्धालु उम्र पड़े भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समितियां तथा प्रशासन के द्वारा अलग-अलग लाइनों में भक्तों को दर्शन करवाए गए भीड़ के कारण सड़क पर जाम के हालात निर्मित हो गए थे। मंदिर परिसर में श्रद्धालु का सैलाब नजर आ रहा था कई भक्त पिंड भरते हुए तो कई भक्त भगवान की भक्ति में लीन होकर पैदल चल रहे थे। जिनका जगह-जगह स्वागत भी किया जा रहा था।

नगर में निकली कावड़ यात्रा - हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद के द्वारा सावन सोमवार को श्री छतीना नाका हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना के बाद कावड़ यात्रा प्रारंभ हुई जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए श्री जटाशंकर मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई जहां पर विधि विधान से पूजा अर्चना अभिषेक के बाद प्रसादी का वितरण किया गया। वहीं डीजे के धुन पर बज रहा है शिव जी के भजनों पर भक्तजन बम भोले की जय कारों के साथ चल रहे थे। कावड़ यात्रा का जगह विभिन्न सामान समाजसेवी संगठनों के द्वारा स्वागत किया गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र प्रदेश और देश की उन्नति की कामना महादेव जी से की इस दौरान राकेश सक्सेना, जगदीश शाक्य, अनिल राठौर, रोहित यादव सहित बड़ी संख्या में बजरंग दल विश्व परिषद के कार्यकर्ता मौजूद थे।

अति-दुर्लभ रक्त ग्रुप दान से गर्भवती महिला को मिला नया जीवन

सिरोंज। विदिशा के कुंआ खेड़ी निवासी गर्भवती महिला श्रीमती सुरक्षा मीना को अति दुर्लभ रक्त ग्रुप एबी निगेटिव की आवश्यकता थी। सूचना मिलने पर मध्यप्रदेश रक्त सहायता समिति के प्रांतीय पदाधिकारी मनोज कपूर हांसुआ ने रक्तदान कर महिला को जीवन दान दिया है। एबी निगेटिव रक्त ग्रुप अति-दुर्लभ श्रेणी में आता है, जो लगभग एक लाख व्यक्तियों में मात्र दो-तीन व्यक्तियों में ही पाया जाता है। समिति के प्रांतीय पदाधिकारी कपूर ने आज अपने पिता की पुण्य स्मृति में रक्तदान कर गर्भवती महिला का जीवन बचाया है। आज ही के दिन कपूर के पिता स्वर्गीय बृजमोहन कपूर का पुण्य स्मरण दिवस है। मध्यप्रदेश रक्त सहायता समिति के चौयरमेन श्री उदय सिंह हजारी सहित समिति के अन्य पदाधिकारीयों ने अति दुर्लभ रक्त ग्रुप एबी निगेटिव का रक्तदान कर गर्भवती महिला को जीवन दान देने के लिए उनके प्रति साधुवाद अभिव्यक्त किया है।

भागवत कथा

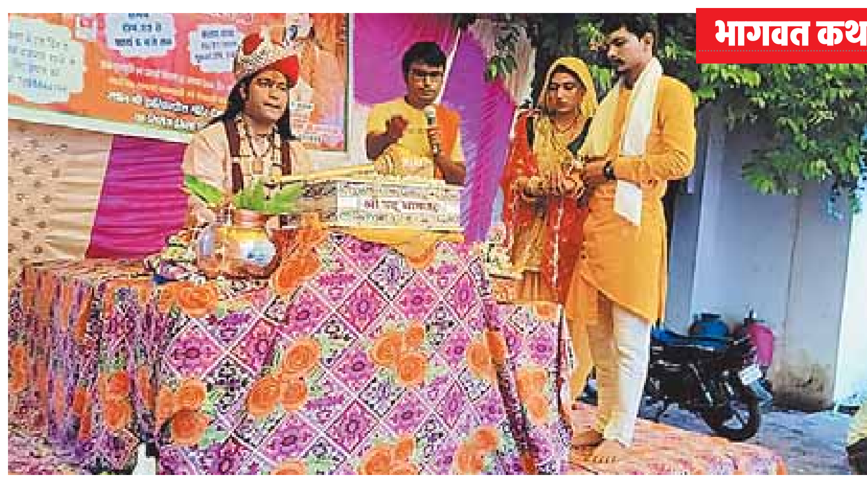

सिरोंज। श्रावण मास के उपलक्ष्य में भागवत कथा का दिव्य आयोजन 26 जुलाई से 1 अगस्त तक होने जा रहा है पावन देवपुर धाम आयोजक समस्त छेत्रवासी जन भक्तगण स्थान द्वारिकाधीश मंदिर कथा समय दो बजे शाम 6 बजे तक कथा प्रवक्ता युवाचार्य श्री आभिषेक कृष्ण महाराज व्यवस्थापक विमय सिंघ यादव, रानी साहू., रामवती एवं समस्त भक्त ।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने गौशाला का निरीक्षण किया

सिरोंज। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने आज जनपद पंचायत विदिशा की ग्राम पंचायत सौराई गौशाला पहुंचकर किए गए प्रबंधों का जायजा लिया है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ट्रैक्टर के माध्यम से ग्राम पंचायत सौराई की गौशाला पहुंची थी। उन्होंने गौशाला में गौवंश को रखे जाने हेतु किये जा रहे प्रबंधों तथा चारा, पानी, बिजली सहित इत्यादि व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने ग्राम सौराई के प्राइमरी स्कूल पहुंचकर शिक्षा व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने शैक्षणिक व्यवस्थाओं के संबंध में भी निर्देश दिए हैं।

युवा कांग्रेस ने एसडीएम को ज्ञापन देकर नियुक्ति निरस्त करने की मांग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को युवा कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र बघेल के साथ युवाओं ने एसडीएम को ज्ञापन देते हुए कहा कि फर्जी तरीके से हुई नियुक्तियों को निरस्त कर कार्रवाई की मांग की है।

वघेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर होने वाली सहायक पटवारी भर्ती मैं बड़ा फर्जीवाड़ा किया गया है। अधिकारियों ने साठ गाठ व राजनीतिक दबाव में फर्जी नियुक्ति कर दी गई है शिकायत के बाद अधिकारी इस नियुक्ति के पूरे मामले को पोर्टल की त्रुटि बता कर पल्ला झाड़ रहे हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा कि सहायक पटवारी भर्ती में सत्ता पक्ष के लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए यह सब किया गया है। इस पूरे मामले को उच्च स्तरीय जांच की जाए तो बड़ा घोटाला उजागर हो सकता हैए हैरान कर देने वाली बात तो यह है कि इस नियुक्ति का आधार क्या है किस आधार पर चयन किया गया है उसके बारे में जिम्मेदारी कुछ भी बताने को तैयार नहीं है।

इनका कहना है -

कहीं कोई भर्ती नहीं है फर्जी खबर उड़ाई जा रही है कहीं पर कोई भी सहायक पटवारी की नियुक्ति नहीं हुई है।

संजय चौरसिया *तहसीलदार*

जिले की आधी औसत वर्षा दर्ज, सिरोंज में सबसे कम बारिश

सिरोंज। विदिशा जिले की सामान्य औसत वर्षा 1075.50 मिमी है इस वर्ष जिले में इस वर्ष अब तक 546.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज हो चुकी है जो जिले की सामान्य वर्षा से आधी से अधिक है आज सोमवार को 40.5 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि जिले की तहसीलो में स्थापित वर्षामापी यंत्रो पर सोमवार 29 जुलाई की प्रातः आठ बजे दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 38 मिमी, बासौदा 15 मिमी, कुरवाई में 8.6 मिमी, सिरोंज में 52 मिमी, लटेरी में 8.2 मिमी, ग्यारसपुर में 11 मिमी, गुलाबगंज में 78 मिमी, नटेरन में 97 मिमी, शमशाबाद में 73 मिमी तथा पठारी तहसील में 24.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

मेट्रो एंकर

पात्रता पर्ची से शेष रहे श्रमिकों की सूची उपलब्ध कराने तथा सर्वे कार्य हेतु दल गठित

श्रमिकों की एक्सल सूची का डाटा निकायवार, पंचायतवार तैयार कर स्थानीय निकायों एवं गठित दल को उपलब्ध कराएंगे

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्यों को दिए गए निर्देशों तथा आदेश पत्रों में दिए निर्देशानुसार शेष प्रवासी मजदूरों की सत्यापन प्रक्रिया, सत्यापित शेष प्रवासियों के लिए राशन जारी करना सहित अन्य कार्यवाही पूर्ण कर 12 अगस्त 2024 तक अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया है, ताकि समय सीमा में एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड के माध्यम से उच्च न्यायालय को अवगत कराया जा सके। कलेक्टर ने विदिशा जिले में उक्त कार्यवाही सुनिश्चित कराए जाने हेतु सहायक श्रम पदाधिकारी श्री एस एन सांगुले को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जिनका मोबाइल नंबर 9826767006 है। उक्त कार्य संपादित किए जाने हेतु श्रम निरीक्षक अधिकारियों को भी दायित्व सौंपे गए हैं जिनमें अनुविभाग विदिशा, सिरोंज और लटेरी हेतु सुश्री देवनंदनी बघेल मोबाइल नंबर 9340896322 तथा अनुविभाग बासौदा, कुरवाई, नटेरन और ग्यारसपुर हेतु विपिन श्रीवास्तव मोबाइल नंबर 9827255962 को नियुक्त किया गया है।

स्थानीय स्तर पर शेष रहे श्रमिकों का सर्वे किए जाने हेतु दल गठित किया गया है जिसमें स्थानीय निकाय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड प्रभारी एवं ग्रामीण क्षेत्र में सचिव, रोजगार सहायक, राजस्व विभाग अंतर्गत क्षेत्रीय पटवारी, महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत क्षेत्रीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका शामिल हैं। श्रम निरीक्षक अधिकारियों द्वारा उक्त गठित दल के सदस्यों को शेष रहे श्रमिकों की सूची प्रदाय करेगें एवं सर्वे कार्य हेतु विकासखण्ड स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करेगें।

गठित दल प्राप्त सूची अनुसार शेष रहे श्रमिकों का घर-घर जाकर सर्वे करेंगे

ऐसे श्रमिक जिनके पास शासन द्वारा अधिसूचित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 अंतर्गत 27 प्राथमिकता परिवार के दस्तावेज है वही श्रमिक पात्रता पर्ची हेतु पात्र होगें। गठित दल द्वारा अभियान अंतर्गत पात्र एवं अपात्र पाये गये श्रमिकों की पृथक-पृथक सूची तैयार कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ध् जनपद पंचायत ध् मुख्य नगर पालिका अधिकारी को प्रस्तुत करेगे। पात्र श्रमिकों को राशन मित्र पोर्टल पर सेक्शन करने की कार्यवाही स्थानीय निकाय के अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा नियमानुसार की जायेगी।

स्थानीय निकाय द्वारा राशनमित्र पोर्टल पर सेंक्शन किये गये परिवारों को उचित मूल्य दुकान से मैपिंग का कार्य संबंधित सहायक कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा किया जायेगा। ऐसे श्रमिक जो पूर्व से राशन प्राप्त कर रहे है उनका ई-केवायसी अनिवार्य रूप से कराई जायें। अनुविभाग स्तरीय नियुक्त श्रम निरीक्षक अधिकारी पूर्व से प्रेषित श्रमिकों की एक्सल सूची का डाटा निकायवार, पंचायतवार तैयार कर स्थानीय निकायों एवं गठित दल को उपलब्ध करायेंगे तथा प्रत्येक दल से सम्पर्क कर नियमित रूप से सर्वे की गई जानकारी जिला नोडल अधिकारी को प्रस्तुत करेगें। जिला नोडल अधिकारी, अपने स्तर पर सर्वे हेतु एवं आवश्यक निर्देश प्रदाय करने हेतु गठित दलों के प्रशिक्षण हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करेगें। स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं का तत्काल निराकरण करेंगे एवं जिला स्तर पर शासन द्वारा वांछित सभी जानकारियां संकलित कर समय-समय पर प्रस्तुत करेगें। इसी प्रकार संदर्भित पत्र में दिये निर्देशों के तहत परिपत्र 22 जुलाई 2024 के अनुक्रम में निम्नानुसार कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने हेतु सर्वसंबंधितो को निर्देशित किया गया है जो इस प्रकार है - नवीन प्राथमिकता परिवार श्रेणी। असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकष् श्रेणी के पंजीयन हेतु श्रम विभाग नोडल विभाग होगा।

कौशल विकास संचालनालय मध्यप्रदेश

नर्मदा रोड, रामपुर, चौराहा, पेट्रोल पंप के पास, जबलपुर-482001

विज्ञप्ति

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित समूह-4 के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3,स्टेनो टायपिस्ट, शीघ्रलेखक व अन्य पदों की सीधी भर्ती व सीधी भर्ती-बैकलॉग हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा 2023 अंतर्गत कौशल विकास संचालनालय के विज्ञप्ति सहायक ग्रेड-3 एवं स्टेनो टायपिस्ट के पदों की कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल से प्राप्त चयन सूची (मेरिट सूची) अनुसार चयनित उम्मीदवारों के मूल अभिलेखों के परीक्षण का कार्य गैस राहत, आईटीआई परिसर, गोविंदपुरा, भोपाल में दिनांक 10/07/2024 एवं 11/07/2024 को किया गया। जिसमें अनुपस्थित उम्मीदवारों को पुनः एक अंतिम अवसर दिया जाकर उनके अभिलेख परीक्षण का कार्य दिनांक 05/08/2024 एवं 06/08/2024 को गैस राहत, आईटीआई गोविंदपुरा भोपाल परिसर स्थित सभागृह में प्रातः 11 बजे से किया जाना है। अभिलेख परीक्षण संबंधी विस्तृत जानकारी संचालनालय की वेबसाईट www.mpskills.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। अभिलेख परीक्षण हेतु बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों को बुलावा पत्र (कॉल लेटर) उनके द्वारा दिये पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किये गये हैं तथा उम्मीदवारों के ई-मेल एवं मोबाईल नंबर पर अभिलेख परीक्षण में उपस्थित होने की सूचना दी गई है।

उम्मीदवार दिनांक 05/08/2024 एवं 06/08/2024 को प्रातः 11.00 बजे समस्त मूल अभिलेखों/प्रमाण पत्रों सहित गैस राहत, आईटीआई परिसर, गोविंदपुरा, भोपाल में उपस्थित होवें।

संचालक

कौशल विकास मध्यप्रदेश

G-14078/24

पेरिस ओलंपिक में आज फिर मनु से मेडल होप

पेरिस, एजेंसी

मनु भाकर पेरिस ओलंपिक में एक बार फिर भारत की मेडल होप रहेंगी। वे मंगलवार को सरबजोत के साथ 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट का ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेंगी। पेरिस में चल रहे ओलंपिक गेम्स के चौथे दिन भारतीय प्लेयर्स 5 खेलों में हिस्सा लेंगे। इनमें शूटिंग, हॉकी, आर्चरी, बैडमिंटन और बॉक्सिंग शामिल है। मेडल टैली में भारत के नाम सिर्फ एक मेडल है, वो भी शूटर मनु भाकर ने दिलाया है। ऐसे में भारत को मनु से दूसरे मेडल की उम्मीद है। वे सरबजोत के साथ 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम के ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेंगी। भारतीय जोड़ी क्वालिफिकेशन में थोड़े अंतर से गोल्ड मेडल मैच के लिए क्वालिफाई करने से चूक गई। पिस्टल के अलावा, शॉटगन शूटर्स ट्रैप की मेंस और विमेंस कैटेगरी के क्वालिफिकेशन मुकाबले हिस्सा लेंगे।

हॉकी : भारत के सामने आयरलैंड की चुनौती

मेंस हॉकी के पूल बी में भारतीय टीम के सामने आयरलैंड की चुनौती होगी। शाम 4.45 बजे होने वाले इस मुकाबले में भारतीय टीम अर्जेंटीना से 1-1 का ड्रॉ मैच खेलकर आ रही है। टीम इंडिया ने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया था। दूसरी ओर आयरलैंड ने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देकर आ रही है। आयरिश टीम को 1-2 की पराजय झेलनी पड़ी है, जो मनोवैज्ञानिक दबाव बनाएगी।

आर्चरी - भारतीय तीरंदाज मेंस और विमेंस की इंडिविजुअल कैटेगरी में राउंड ऑफ 32 मैच खेलेंगे। पुरुषों में युवा धीरज बोम्मदेवरा एक्शन में होंगे, जबकि महिलाओं में अंकिता भकत और भजन कौर निधाना लगाएंगी।

बैडमिंटन - डबल कैटेगरी के ग्रुप स्टेज मैच खेलेंगी भारतीय जोड़ियां : भारतीय जोड़ियां बैडमिंटन में मेंस और विमेंस कैटेगरी के ग्रुप स्टेज मैच खेलेंगे। मेंस में सात्विक-चिराग की जोड़ी इंडोनेशिया के अल्फियन फजर-मोहम्मद रैन आर्डिटो से खेलेंगे, हालांकि यह मैच ग्रुप की टॉप पोजिशन हासिल करने के लिए होगा, क्योंकि दोनों जोड़ियां टॉप-8 में जगह बना चुकी हैं। विमेंस में अश्विनी पोनप्पा तनिषा क्रिस्टो के साथ ऑस्ट्रेलिया की सेट्याना-एंजिलो का सामना करेंगी।

बॉक्सिंग - मुक्केबाजी में आज 3 खिलाड़ी एक्शन में दिखेंगे। मेंस 51द्मद्द वेट कैटेगरी में अमित पंघल की राउंड ऑफ-16 बाउट जिम्बाब्वे के पैट्रिक चिन्येम्बा होगी। विमेंस में प्रीति पवार प्री क्वार्टर फाइनल और जेसमिन राउंड ऑफ 32 मैच खेलेंगी।

इंडिया-श्रीलंका का टी-20 सीरीज का आखिरी मैच आज

भारत पहले ही जीत चुका है सीरीज, पाथुम निसांका टॉप स्कोरर

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला मंगलवार को पल्लेकेले में खेला जाएगा। सीरीज में टीम इंडिया 2-0 से आगे हैं। तीसरे मुकाबले में भारतीय टीम 3-0 से क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरेगी। पहले मैच में भारत ने श्रीलंका को 43 रन से हराया था, जबकि दूसरे मैच में ड्क्स्र्-मेथड की वजह से भारत ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इन दो जीत के साथ भारत पहले ही सीरीज में कब्जा कर चुका हैं। 27 जुलाई से 7 अगस्त तक चलने वाले इस दौरे में टीम इंडिया 3 मैच की टी-20 सीरीज के बाद 3 मैच की वनडे सीरीज भी खेलेगी।

31 मैच में मात्र 9 जीता है श्रीलंका

भारतीय टीम ने आखिरी बार 2021 में श्रीलंका का दौरा किया था। टीम ने 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेली थी। तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी। टी-20 सीरीज में भारत को 2-1 से हार झेलनी पड़ी थी।

टॉस का रोल और पिच रिपोर्ट

पल्लेकेले स्टेडियम की पिच पर शुरुआत में पेसर्स को थोड़ी मदद मिलती है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता पिच बल्लेबाजों को भी सपोर्ट करने लगती है। दूसरी पारी में इस पिच पर रन बनाना और आसान हो जाएगा। ऐसे में इस पिच पर टॉस जीतने वाला कप्तान पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर सकता है। शुरुआत के 2 टी-20 मैच में टॉस जीतने वाले कप्तान ने फील्डिंग करने का फैसला लिया था। यहां अब तक 25 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं। 13 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है। 9 मैचों में बाद में बल्लेबाजी करते हुए टीमों को जीत मिली है। एक मैच का रिजल्ट नहीं निकल सका है। जबकि 2 मैच टाई रहे हैं। भारत-श्रीलंका तीसरा मैच बारिश की वजह से बाधित हो सकता है। 30 जुलाई को पल्लेकेले में बारिश होने की 60त्न आशंका है। बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज।

श्रीलंका : चरिथ असलांका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कुसल परेरा, कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना

भारत कर सकता है एशिया कप की मेजबानी!

नईदिल्ली, एजेंसी

एशिया कप 2025 की मेजबानी को लेकर बड़ी जानकारी सामने आ रही है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारतीय टीम अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकती है। शनिवार को एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने इनविटेशन फॉर एक्सप्रेशंस ऑफ इंट्रेस्ट (आईओआई) दस्तावेज जारी किया। इसके तहत एसीसी ने सभी देशों को 2024-2027 के बीच स्पॉन्सरशिप राइट्स के लिए आवेदन मांगे हैं। माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आगामी टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए आवेदन कर सकती है। वहीं, यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। अगर भारत को आगामी टूर्नामेंट की मेजबानी मिलती है तो ऐसा 34 साल बाद होगा जब भारत एशिया कप की अगुवाई करेगा। आखिरी बार भारत में 1990-91 में एशिया कप आयोजित किया गया था।

मेट्रो बाजार

भारत में वेतनभोगी नौकरियों की संख्या लगातार घट रही

नईदिल्ली, एजेंसी

आम बजट में रोजगार सृजन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। सरकार ने घोषणा की है कि अगले 5 साल में रोजगार सृजन पर 2 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। इन नीतियों का मुख्य ध्यान वेतनभोगी नौकरियां पैदा करने पर है। हालांकि, आंकड़े बताते हैं कि वेतनभोगी नौकरियों की स्थिति अच्छी नहीं है। इनकी संख्या लगातार घट रही है, जबकि स्वरोजगार वाले बढ़ रहे हैं। आर्थिक सर्वेक्षण में पीएलएफएस सर्वे के हवाले से बताया गया कि 2022-23 में भारत के कुल कार्यबल में वेतनभोगियों की हिस्सेदारी 20.9 फीसदी रह गई जो 2018-19 में 23.8 फीसदी थी। वहीं स्वरोजगार करने वालों की हिस्सेदारी 52.1 फीसदी से बढ़कर 57.3 फीसदी हो गई। आर्थिक सर्वे के मुताबिक, भारत की अनुमानित श्रम शक्ति 58.5 करोड़ है। इनमें वेतनभोगी नौकरियों की संख्या लगभग 11.8 करोड़ है। वेतनभोगी नौकरियों में शहरी क्षेत्रों का कुल हिस्सा 56 फीसदी है। तीन क्षेत्रों मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेड-ट्रैवल, होटल व टूरिज्म और प्रशासन (रक्षा और अन्य सेवाओं) में 84 फीसदी वेतनभोगी नौकरियां हैं। हालांकि विरोधाभास यह है कि इन क्षेत्रों की देश के कुल श्रमिकों में केवल 38त्न हिस्सेदारी है। वेतन वाली नौकरियों में से 10त्न से भी कम में 50,000 रुपए या इससे अधिक की मासिक आय है। दो-तिहाई से अधिक की आय वास्तव में 20,000 रुपए प्रति माह से भी कम है। वेतन वाली कई नौकरियों में सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान नहीं हैं। 44 फीसदी को किसी न किसी रूप में सामाजिक सुरक्षा प्रावधान प्राप्त है, जैसे कि ईपीएफ या मातृत्व अवकाश आदि।

टॉप-10 कंपनियों में से 6 का मार्केट कैप बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी

शेयर मार्केट में लिस्टिंग टॉप-10 कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में इस हफ्ते भी बदलाव हुआ है। जहां एक तरफ इंफोसिस के एम-कैप में उछाल आया है तो वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई है। पिछले हफ्ते मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप-10 कंपनियों में से 6 कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 1,85,186.51 करोड़ रुपए बढ़ गया। इंफोसिस और जीवन बीमा निगम टॉप गेनर रहे। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का एमकैप पिछले हफ्ते 62,008.68 करोड़ रुपए घटकर 20,41,821.06 करोड़ रुपए रह गया। आइसीआइसीआइ बैंक के एम-कैप में 28,511.07 करोड़ की गिरावट आई। अब बैंक का एम-कैप 8,50,020.53 करोड़ हो गया। स्टेट बैंक के एमकैप में 23,427.1 करोड़ रुपए गिरावट के साथ 7,70,149.39 करोड़ रुपए रह गया। एलआइसी का एम-कैप 44,907.49 करोड़ रुपए बढ़कर 7,46,602.73 करोड़ रुपए हो गया। इंफोसिस का एम-कैप 35,665.92 करोड़ रुपए बढ़कर 7,80,062.35 करोड़ रुपए हो गया।

तीसरा व अंतिम टेस्ट

इंग्लैंड ने किया क्लीन स्वीप, 3-0 से जीती सीरीज

बर्मिंघम , एजेंसी

इंग्लैंड ने तीसरे व अंतिम क्रिकेट टेस्ट में वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हरा कर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 175 रन पर ऑलआउट हो गई, जिससे मेजबान को जीत के लिए 82 रन का साधारण लक्ष्य मिला था। कप्तान बेन स्टोक्स ने धुआंधार अंदाज में 28 गेंदों में 9 चौके व दो छक्कों से नाबाद 57 रन बना इंग्लैंड को 7.2 ओवर में जीत दिला दी। दूसरे ओपनर बेन डकेट 25 रन पर नाबाद रहे। स्टोक्स ने महज 24 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। वे इंग्लैंड में सबसे तेज टेस्ट अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने।

विश्वनाथन आनंद ने 10वीं बार जीता लियोन मास्टर्स खिताब

लियोन, एजेंसी

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां फाइनल में स्पेन के जैमे सैंटोस लटासा को 3-1 से हराया और 10वीं बार लियोन मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। 54 वर्षीय आनंद ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह उनके पसंदीदा प्रतियोगिताओं में से एक हैं। आनंद ने 28 साल पहले 1996 में यहां अपना पहला खिताब जीता था। इससे पहले शुरुआती सेमीफाइनल में टोपालोव के खिलाफ विश्वनाथ आनंद ने तीसरे गेम में जीत दर्ज की जबकि तीन गेम बराबरी पर छूटे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

मंदाकिनी की किस्तम चमकी थी पद्मिनी के इंकार के बाद

फिल्म राम तेरी गंगा मैली से रातों-रात प्रसिद्धी हासिल करने वाली अभिनेत्री मंदाकिनी आज अपना 61वां जन्मदिन मना रही हैं। मंदाकिनी ने 1985 में अपने करियर की शुरुआत बंगाली फिल्म अंतारेर भालोबाशा से की थी, लेकिन इसी के साथ उन्होंने फिल्म मेरा साथी के साथ हिंदी सिनेमा में भी कदम रखा था। 1985 में उन्होंने दो फिल्में आर पार और राम तेरी गंगा मैली की। राज कपूर के डायरेक्शन में बनी राम तेरी गंगा मैली बॉक्स ऑफिस पर सुपर-डुपर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने मंदाकिनी के करियर को नया मुकाम दे दिया। इस फिल्म ने मंदाकिनी को खूब पसंद किया गया और आज भी उन्हें इस फिल्म के लिए याद किया जाता है। हालांकि, कम ही लोगों को पता होगा कि इस फिल्म के लिए मंदाकिनी नहीं, बल्कि एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे राज कपूर की पहली पसंद थीं। उन्हें यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। बाद में यह फिल्म मंदाकिनी के साथ बनाई गई और ब्लॉकबस्टर साबित हुई। राज कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में लीड रोल में राजीव कपूर थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राम तेरी गंगा मैली में 45 दिन की शूटिंग के बाद भी मंदाकिनी को निकालना चाहते थे मेकर्स क्योंकि वह मंदाकिनी की जगह पद्मिनी कोल्हापुरे को लेना चाहते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पद्मिनी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह फिल्म के किसिंग सीन को लेकर डरी हुई थीं, इसलिए उन्होंने इस मौके को हाथ से जाने दिया। राम तेरी गंगा मैली की एक्ट्रेस का उस दौर में काफी क्रेज रहा है। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते थे। मंदाकिनी का असली नाम यास्मीन जोसेफ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज कपूर ने ही उन्हें स्क्रीन नेम मंदाकिनी दिया था। मंदाकिनी ने डांस-डांस, कमांडो, जाल, लोहा, प्यार के नाम, दुश्मन, शानदार, प्यार करके देखो, सिंघासन, अग्नि, जोरदार और आग और शोला जैसी कई फिल्में कीं। मंदाकिनी ने ऋषि कपूर, गोविंदा और मिथुन के साथ कई फिल्में कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मंदाकिनी का जन्म 30 जुलाई को मेरठ उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनके पिता जोसफ एक ब्रिटिश और माता मुस्लिम हैं।

कभी एक कमरे में 12 लड़कों के साथ रहते थे सोनू सूद, आज 'नेशनल हीरो'

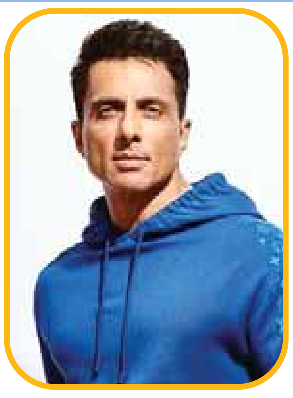

हिंदी सिनेमा में ऐसे कम ही कलाकारों का जन्म हुआ है, जिन्होंने नाम और शोहरत कमाने के साथ-साथ लोगों का दिल भी जीता हो। फिल्मी पर्दे के हटकर असल जिंदगी में हीरो कहलाए हो। आज हम आपको ऐसे ही एक कलाकार के बारे में बताने जा रहे हैं, जो गरीबों के 'मसीहा' के नाम से जाने जाते हैं और आज भी शिद्दत से हर जरूरतमंद की मदद करते हैं। हम बात कर रहे हैं अभिनेता सोनू सूद की। अभिनेता आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। तो इस आइए इस खास दिन पर जानते हैं, अभिनेता की जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्सों के बारे में। सोनू सूद का जन्म 30 जुलाई 1973 में हुआ था। सोनू एक मिडिल क्लास फैमिली से ताल्लुक रखते थे। अभिनेता के पिता कपड़ो की दुकान चलाते थे और उसी से घर का खर्च भी चलाते थे। हर मिडिल क्लास फैमिली का सपना होता है कि घर का बोझ बेटे के कंधों पर आ जाए और वह घर की जिम्मेदारी ले। इसी उम्मीद के साथ सोनू सूद के पिता ने उनका दाखिला एक इंजीनियरिंग कॉलेज में करा दिया था, जहां से उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के दिनों में अभिनेता एक ही कमरे में 12 लड़कों के साथ रहते थे। अभिनेता के पिता उन्हें पढ़ाई के लिए घर से पैसे भेजते थे, लेकिन सोनू उन पैसों को भी बचाने की कोशिश करते थे। इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद अभिनेता ने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। लाखों नौ जवानों की तरह सोनू भी एक्टर बनने का ख्वाब लिए साल 1996 में माया नगरी मुंबई में आए। उस वक्त उनके जेब में केवल 5500 रुपए थे। अभिनेता ने साल 1999 में तमिल सिनेमा से अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने साउथ की कई फिल्मों में काम किया। सोनू ने साल 2002 में उन्होंने शहीद-ए-आजम से बॉलीवुड में कदम रखा। आज अभिनेता किसी भी पहचान के मोहताज नहीं हैं और सबकी मदद के लिए हमेशा खड़े रहते हैं। बता दें कि कोरोना काल में लॉकडाउन में किए गए नेक काम ने सोनू सूद को नेशनल हीरो बना दिया था। अब हर साल फैंस अभिनेता के घर के बाहर आकर उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं देते हैं।

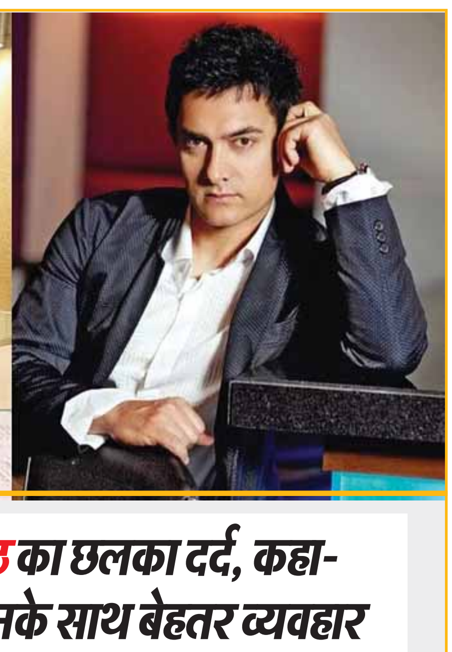

वर्षों बाद मीता वशिष्ठ का छलका दर्द, कहा- आमिर ने नहीं किया उनके साथ बेहतर व्यवहार

आमिर खान बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार हैं। उन्हें इंडस्ट्री में परफेक्शनिस्ट के तौर पर जाना जाता है। वह चीजों को प्लान तरीके से करने में विश्वास रखते हैं, लेकिन फिल्म 'गुलाम' में उनकी सह-कलाकार रहीं मीता वशिष्ठ को उनकी यह बात पसंद नहीं आई थी। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें आमिर का चीजों को पहले से प्लान करने का स्वभाव पसंद नहीं आया। मीता ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि अगर वह मसाला फिल्मों की अभिनेत्री होतीं, तो शायद आमिर उनके साथ बेहतर व्यवहार करते। उन्होंने कहा कि आमिर और वो दोनों अलग-अलग तरह के अभिनय वाली दुनिया से आते हैं। इससे संबंधित फिल्म से जुड़ा एक वाकया साझा करते हुए उन्होंने कहा कि महेश भट्ट उन्हें सीन समझा रहे थे और इस बीच उन्होंने सुझाव दिया कि वह अपनी तरफ से भी इसमें इम्पोवाइज करते हुए कुछ और सुधार करेंगी। ये सुनते ही आमिर ने उनकी तरफ देखा और कहा, इम्प्रोवाइज। उन्होंने कहा कि आमिर को यह शब्द पसंद नहीं आया। एक और वाकया का जिक्र करते हुए मीता ने कहा कि आमिर एक सीक्वेंस को समझा रहे थे और कह रहे थे कि 'जब मैं यह करूंगा, तो तुम यह करो'। इस पर उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा, 'नहीं। तुम वही करो जो तुम्हें करना है, मैं वही करूंगी जो मुझे करना है।' आमिर ने उनसे पूछा कि उन्हें कैसे पता चलेगा कि आगे क्या होगा, तो उन्होंने आमिर को मौके पर चीजें देखने और उसके अनुसार प्रतिक्रिया देने को कहा। अभिनेत्री के मुताबिक, आमिर सभी चीजों को पहले से ही तय कर के रखना चाहते थे, जबकि उन्हें इस तरह काम करने का तरीका बिलकुल पसंद नहीं था। अभिनेत्री ने बॉलीवुड में वर्ग और जाति व्यवस्था के चलने को स्वीकार करते हुए कहा कि आमिर को उनके द्वारा अभिनेता के बाल छूना पसंद नहीं आया था। हालांकि, महेश भट्ट ने अभिनेत्री का पक्ष लेते हुए कहा कि शॉट काफी सुंदर लग रहा है। अभिनेत्री ने दावा किया अगर वह एक कमर्शियल अभिनेत्री होतीं, तो आमिर को उनके छूने से बुरा नहीं लगता।

31 लाख से भोले बाबा का श्रृंगार

भोपाल. हर साल की तरह इस साल भी राठौर संघ सावन सोमवार के महीने को बड़े धूमधाम से बना रहा है। गिनौरी बगिया स्थित राठौर संघ के संकट हरण महादेव मंदिर में भोले बाबा का आकर्षक श्रृंगार किया जा रहा है। समाज की 51 लोगों से भोले बाबा के श्रृंगार करने के लिए मिली 31 लाख रुपए की राशि से अद्भुत श्रृंगार किया। **फोटो:** निर्मल व्यास

पीरगेट और परी बाजार के बीच बाइक सवार लुटेरों ने की वारदात

ई-रिक्शा में बैठकर बात कर रहे युवक का मोबाइल झपटकर भागे लुटेरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित परी बाजार से पीरगेट के बीच सोमवार शाम ई रिक्शा में जा रहे युवक से बाइक सवार लुटेरों ने मोबाइल झपट लिया। घटना की शिकायत मिलने पर पुलिस अज्ञात बाइक सवार लुटेरों पर लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई किशोर सिंह ने बताया कि इस्लामपुरा, बरेली निवासी अलमाश पिता समीम प्राइवेट काम करते हैं। कल शाम वह भोपाल आए थे और बैरसिया बस स्टैंड से कोहेफिजा जाने के लिए ई रिक्शा में सवार हुए?थे। ई रिक्शा में बैठकर वह मोबाइल पर बातचीत कर रहे थे। परी

बाजार से पीरगेट के बीच ई रिक्शा पहुंचा था, तभी बाइक पर पीछे से आए लुटेरों ने अलमाश के हाथ से मोबाइल झपट लिया। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेजी से बाइक चलाते हुए भाग निकले। लूटे गए मोबाइल की कीमत 7 हजार रुपए बताई जा रही है।

शाहपुरा में डॉक्टर के घर डकैती, पुलिस से तगड़ा साबित हुआ आरोपी का मुखबिर तंत्र

साढ़े तीन महीने बीते, डकैती का मुख्य सरगना बंटी बेसुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शाहपुरा में बी सेक्टर के बंगला नंबर 234 में रहने वाले ज्ञानेंद्र सिंह परिहार व डॉक्टर अंशुल सिंह के घर डकैती डालने वाले मास्टर माइंड बंटी उर्फ नितिन पवार की तीन महीने बीस दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। चूनाभट्टी थाना प्रभारी भूपेंद्र कौल संधू का दावा है कि आरोपी की गिरफ्तारी के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। आरोपी का मोबाइल नंबर इंटरसेप्शन के लिए डाला गया है, लेकिन आरोपी लगातार फरार है। उसकी लोकेशन मिलने पर पुलिस की टीम पहुंचती है लेकिन इससे पूर्व ही वह फरार हो जाता है। आरोपी की गिरफ्तारी पर आलाधिकारी 15 हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर चुके हैं, लेकिन पुलिस के हाथ आरोपी अब तक नहीं लगा। लंबे समय तक फरार रहने के कारण पुलिस पर ही सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि पुलिस से तगड़ा आरोपी का मुखबिर तंत्र है। लिहाजा पुलिस की टीम दबिश दे इससे पहले ही आरोपी अपना ठिकाना बदल लेता है।

पांच आरोपियों से 54 लाख की ही नगदी बरामद

पुलिस ने करीब 85 लाख की इस वारदात में गिरफ्तार आरोपियों से 54 लाख रुपए की नगदी, मारुति ओमनी वेन, घटना मे प्रयुक्त बाइक, देशी कट्टा, धारदार चाकू, हथौड़ा और लूटे गए चेक एटीएम कार्ड जब्त किए थे। अनुमान है कि आरोपी बंटी उर्फ नितिन की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को डकैती में हाथ लगी बाकी रकम व सोने व हीरे के जेवरात आदि बरामद हो सकते हैं लेकिन पुलिस अब तक आरोपी को गिरफ्तार करने में नाकाम रही।

उल्लेखनीय है कि 8-9 अप्रेल की दरमियानी रात करीब 12 बजे बी 234, शाहपुरा निवासी, ज्ञानेन्द्र सिंह परिहार के घर आधा दर्जन हमलावरों ने नौकरों को बंधक बना कर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। सूचना के बाद चूनाभट्टी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के थानों को घटना की जानकारी दी थी। घटना के बाद ही आसपास के थानो मे चेकिंग लगाई गई और मिसरोद मे एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया। उसके पास से देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस मिले थे। पूछताछ में संदेही ने अपना नाम अमित राठौर (24) निवासी संतोष नगर मंडीदीप बताया था। आरोपी से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने डकैती की इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर लिया था। पुलिस उक्त मामले में, लक्ष्मण सिंह कीर (24) पाल ढाबा के पीछे मिसरोद, अमित राठौर (24) वार्ड क्र. 07 संतोष नगर मंडीदीप रायसेन, संतोष कुमार जागंडे (31) किंग पार्क सिटी शिवालिक ब्लॉक मंडीदीप रायसेन, सोनू अहिरवार उर्फ बलवंत अहिरवार मंडीदीप रायसेन सहित विधि विरुद्ध बालक को गिरफ्तार कर चुकी थी। पुलिस को उस समय से ही मुख्य आरोपी बंटी उर्फ नितिन पवार की सरगर्मी से तलाश थी, लेकिन धीरे धीरे मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

शाहपुरा में चोरी का मामला, खाली हाथ लौटी पुलिस टीम

एसडीओ के घर चोरी करने वाले ड्राइवर की तलाश, ग्वालियर, भोपाल और पुणे में सर्चिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा के ही बंगला नं 165 में लोनिवि के एसडीओ कपिल त्यागी के घर चोरी कर फरार हुए ड्राइवर दीपक यादव को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। आरोपी को मोबाइल बंद है। पुलिस ने दावा किया कि आरोपी बाइक से भागा है। उसकी तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें जुटी हुई हैं। भोपाल, ग्वालियर, पुणे में उसकी सर्चिंग की गई है। उसका पता नहीं चल सका। पुलिस के मुताबिक, त्यागी 17 जुलाई को पत्नी के साथ बेटी के पास अमेरिका गए हुए हैं। घर में उनकी वृद्ध मां, बेटा चिरायु, बहू थीं। 27 जुलाई की सुबह चिरायु भी पत्नी के साथ इंदौर चले गए। घर में अकेली कपिल की मां थीं। इंदौर जाने से पहले दादी की देखरेख के लिए चिरायु अपने ड्राइवर दीपक को रख गए। सुबह नौ बजे वह चिरायु की दादी को अरेरा कॉलोनी में फीजियोथेरैपी कराने लेकर कार से आया। उन्हें सेंटर में छोडकर दीपक वापस उनके घर चला गया। घर के फर्स्ट फ्लोर की चाबी उसी के पास थी। वह अंदर घुसकर कपिल के रूम में रखी अलमारी तोड़ी। इसके बाद उसमें रखी नकदी-जेवर चोर कर वापस अरेरा कालोनी चिरायु की दादी को लेने पहुंचा। वह उनकी दादी को घर छोड़ दिया। बुजुर्ग होने की वजह से वह फर्स्ट फ्लोर तक नहीं जा पातीं। ऐसे में उन्हें ड्राइवर की करतूतों का पता ही नहीं चल सका। शाम करीब पांच बजे ड्राइवर दीपक ने अमेरिका गए त्यागी को पहले वाट्सऐप काल किया। इसके बाद उन्हें मैसेज भेजा। शुरुआत में उन्हें भरोसा नहीं हुआ कि दीपक ऐसा करेगा। उन्होंने उसके मैसेज की सत्यता जानने के लिए फोन किया। लेकिन, उसने रिसीव नहीं किया। संदेह होने पर उन्होंने बेटे चिरायु को फोन लगाया। इंदौर में होने की वजह से चिरायु ने अपने दोस्त अमित को भेजा। अमित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। चिरायु प्रॉपर्टी डीलर हैं। इसके साथ ही कंस्ट्रक्शन वर्क भी करते हैं।

मैसेज में बोला था- 50-60 हजार रुपए कैश लिए: वारदात के बाद आरोपी ने शनिवार की रात को चिरायु को वॉट्सऐप पर मैसेज किया। इसमें उसने लिखा कि मैने घर से 50-60 हजार रुपए कैश निकाल लिए हैं। परेशान मत होना, 20 दिन बाद स्वयं यह रकम को लौटा दूंगा। चिरायु ने कॉल पर दोस्त अमित थरानी को सूचना दी। अमित ने पुलिस को मामले की सूचना दी और चिरायु रात पौने दो बजे घर पहुंचे।

घर के सामने शोर करने से मना करने पर छुरी मारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित पीसी नगर मल्टी में रविवार रात घर के सामने शोर करने को लेकर हुए विवाद के चलते एक युवक ने दूसरे युवक को छुरी मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मल्टी नंबर 88 पीसी नगर निवासी जयपाल मसानी (25) प्राइवेट काम करता है। रविवार रात करीब दस बजे उसके घर के सामने संदीप नामक युवक शोर कर रहा था। जयपाल ने उसे शोर करने से मना किया तो आरोपी ने गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान ही उसने जेब से छुरी निकालकर जयपाल की कमर पर वार कर दिया। लोगों को आता देख आरोपी संदीप मौके से फरार हो गया।

अस्सी साल की बुजुर्ग महिला की खंती में डूबने से मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता रावत बस्ती में अस्सी साल की बुजुर्ग महिला की लाश खंती के पानी में मिलने से सनसनी फैल गई। अनुमान है कि बुजुर्ग शौच के लिए गई थी, तभी पैर फिसलने से खंती में डूब गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार तेजा बाई रावत पति स्वर्गीय हरि सिंह रावत (80) कोकता, रावत बस्ती, बिलखिरिया में रहती थी। उनके घर के पीछे खंती में बारिश का पानी इकट्ठा हो गया है। सोमवार सुबह तेजा बाई घर से निकली थी। इसके बाद घर नहीं लौटी। परिजन उनकी तलाश करते हुए घर से पीछे बनी खंती तक पहुंचे तो उन्होंने पानी में तेजा बाई का शव देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मेट्रो एंकर घर से खेलते-खेलते नहाने पहुंचे थे तालाब, किनारे रखे मिले कपड़े

तालाब में डूबे तीन किशोर, एक का शव रात में मिला, दो शव आज सुबह निकाले गए

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बैरसिया के ग्राम पंचायत ललरिया में तीन किशोर तालाब में डूब गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से एक बच्चे का शव गहरे पानी के बीच से निकाल लिया है। जबकि दो बच्चों की तलाश पूरी रात जारी रही। बच्चों के डूबने का पता सोमवार रात आठ बजे तब लगा जब वे घर नहीं पहुंचे। परिजन तलाश करते हुए तालाब पहुंचे। देखा कि बच्चों के कपड़े तालाब किनारे रखे हैं। डूबने का संदेह होने पर पानी में बच्चों की तलाश शुरू हुई। रात करीब 9 बजे राजा नाम के बच्चे का शव मिला।

पुलिस के अनुसार ग्राम पंचायत ललरिया निवासी 13-15 साल उम्र के तीन बच्चें राज, नीलेश, ऐहतेशाम तीनों दोस्त हैं। सोमवार दोपहर खाना खाने के बाद तीनों साथ खेल रहे थे। खेलते खेलते ग्राम पंचायत से कुछ दूरी पर स्थित वीरान गांव पतलौन तालाब पहुंच गए। तीनों ने अपने कपड़े उतारकर तालाब के पानी में नहाने उतर गए। अचानक वह गहरे पानी में डूब गए। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजन उनकी तलाश में निकले। इसी बीच गांव के किसी एक व्यक्ति ने बताया कि बच्चें तालाब की तरफ गए हैं। परिजन तालाब पहुंचे तो किनारे पर कपड़े नजर आए। अनहोनी की आशंका होने ग्रामीणों की मदद तालाब में बच्चों की तलाश की। इस बीच पुलिस भी पहुंच गई?थी। रात करीब साढ़े 9 बजे के आसपास ग्रामीणों ने तालाब राज का शव निकाल लिया, जबकि पूरी रात नीलेश और ऐहतेशाम की तलाश करने के बाद भी उनका कुछ पता नहीं चल सका। आज सोमवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे गोताखोरों ने तालाब से नीलेश, ऐहतेशाम की लाश बाहर निकाल ली है।

एसपी और कलेक्टर भी मौके पर: घटना की जानकारी मिलते ही एसपी देहात प्रमोद सिन्हा मौके पर पहुंच गए थे। इधर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे थे और निरीक्षण किया।

ग्राम पंचायत ने खुदवाया था तालाब: ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी मद से ग्रामीण पंचायत ललरिया ने तालाब का निर्माण कराया है। तालाब में करीब 25 से 30 फीट पानी गहरा पानी हैं। बताया जाता है कि तालाब डिजाइन के नियमानुसार नहीं बनाया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आरएन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022